संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 11
पृष्ठ 8
शनिवार
26 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– ब्रेकअप के बाद जिंदगी...

विचार– क्या होगा लोकतंत्र का भविष्य

खेल– एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा...

यूपी में अब कट्टा उद्योग की जगह डिफेंस कॉरिडोर–शाह

बोले– निवेश का केंद्र बनकर देश का विकास इंजन बनने की दिशा में बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कभी अपराध की इंडस्ट्री चलती थी, शहर–शहर वाहन चोरी के कुटीर उद्योग लगते थे और अवैध कट्टे बनाए जाते थे, लेकिन आज उसी उत्तर प्रदेश में कट्टा उद्योग की जगह डिफेंस कॉरिडोर, वाहन चोरी की जगह वाहन निर्माण और चेन स्नैचिंग की जगह मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है। उन्होने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन की सरकार में आया है और उत्तर प्रदेश देश–दुनिया के निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री शाह ने कहा कि वर्ष 2013 में उत्तर प्रदेश का हाल यह था कि लखनऊ में औद्योगिक निवेश सम्मेलन कराने की स्थिति नहीं थी। अधिकारियों ने कानून–व्यवस्था का हवाला देते हुए दिल्ली में आयोजन किया था। आज वही उत्तर प्रदेश निवेश का केंद्र बनकर देश का विकास इंजन बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। निवेश के लिए कानून–व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीति, सक्रिय सरकार और उद्योगों को सुविधा देने की आवश्यक है और उत्तर प्रदेश में ये सभी स्थितियां मौजूद हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तय किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर में डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड विकसित किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए निवेश आ रहा है। देश का रक्षा उत्पादन अब करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और 2013–14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में 56 गुना वृद्धि हुई है। आज भारत के रक्षा उत्पाद करीब 80 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुकूल नीतियों के जरिए निवेश को सुगम बनाने का काम किया है। अमेठी में निर्मित एके–203 राइफल और उत्तर प्रदेश में बन रहे रक्षा उत्पाद देश की नई औद्योगिक क्षमता को दर्शाते हैं। श्री शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) की महत्वपूर्ण भूमिका है। परंपरागत उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया गया है। कभी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले प्रदेश के युवाओं को आज अपने ही राज्य में रोजगार और उद्यम के अवसर मिल रहे हैं। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का कांच, सहारनपुर की काष्ठ कला, कन्नौज का इत्र और बनारस की रेशमी साड़ी ने देश–दुनिया में पहचान बनाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यूपी के पारंपरिक उत्पादों के साथ वाराणसी की मलाईयो, तिरंगा बर्फी, आगरा के पेठा, मथुरा के पेड़ा और मेरठ की गजक जैसे उत्पादों को भी व्यापक बाजार मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में देश–दुनिया से आए खरीदारों और उद्यमियों की भागीदारी प्रदेश में निवेश, उत्पादन और बिक्री की संभावनाओं को बढ़ाएगी। पहले संस्करण में राष्ट्रपति, दूसरे में उपराष्ट्रपति और तीसरे संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति रही, जबकि चौथे संस्करण के उद्घाटन में शामिल होकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। 2025 के ट्रेड शो में पांच लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था और 2,400 से अधिक एमओयू हुए थे। इस वर्ष के आयोजन से पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है।

यौन शोषण के मामले में बृजभूषण शरण सिंह की बढ़ेंगी मुश्किलें?

फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर, याचिका में फैसले को 'पुरानी सोच वाला' बताया

नयी दिल्ली,एजेंसी। चार महिला पहलवानों ने दिल्ली की एक अदालत में रेसलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (थ्) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न के मामले में बरी किए जाने को चुनौती दी। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के 3 अगस्त के फ़ैसले को पुराना और रूढ़िवादी धारणाओं पर आधारित बताया। पहलवानों ने सीनियर वकील रेबेका जॉन के ज़रिए राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिगविनय सिंह की अदालत में क्रिमिनल रिविज़न याचिका दायर की है और इस पर शनिवार को सुनवाई होनी है। याचिका में कहा गया है कि बरी करने का फ़ैसला कानून के नज़रिए से टिकने लायक नहीं था और यह कानून के स्थापित सिद्धांतों के बजाय अटकलों और अनुमानों पर आधारित था। याचिका में कहा गया यह फ़ैसला कानून के नज़रिए से टिकने लायक नहीं है और रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों की साफ़ तौर पर गलत और चुनिंदा समझ पर आधारित है। अपील में आगे यह तर्क दिया गया कि विवादित आदेश अटकलों और अनुमानों पर आधारित था और इसमें कानून के बाध्यकारी और स्थापित सिद्धांतों को लागू नहीं किया गया। इसमें कहा गया है कि जिस आदेश पर सवाल उठाया गया है, उसका मुख्य आधार यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ की शिकार महिलाओं के अपेक्षित व्यवहार के बारे में पुरानी और रूढ़िवादी धारणाएं हैं, न कि पीड़ितों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सबूतों पर आधारित निष्पक्ष मूल्यांकन। ट्रायल शुरू होने के दो साल बाद, 3 अगस्त को दिल्ली की एक अदालत ने उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद सिंह और थ्र के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर को सबूतों की कमी के कारण बरी कर दिया। सिंह को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे और मनगढ़ंत थे, और ये एक गहरी साज़िश का हिस्सा थे जो राजनीति से प्रेरित लगती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल, एसआईटी जांच और कार्रवाई की मांग

नयी दिल्ली,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की गई है। यह याचिका मीडिया रिपोर्टों को आधार बनाकर दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से जुड़े कई अहम फैसले अन्य दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए थे। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि ऐसे सभी फैसलों को गैरकानूनी घोषित किया जाए और मूल फॉर्म–6 को फिर से लागू किया जाए। याचिका में यह भी मांग की गई है कि इस बात की एसआईटी जांच कराई जाए कि आखिर 13 करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कैसे हटाए गए। याचिकाकर्ता का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में नाम हटना सामान्य बात नहीं है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जनहित याचिका में आरपी एक्ट के तहत ड्यूटी के दौरान किए गए उल्लंघनों के लिए कई अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की भी मांग की गई है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ–साथ मनीष गर्ग, आईएएस एवं डिप्टी ईसी और ईसीआई की आईटी हेड सीमा खन्ना के नाम शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि इन अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन किया है, इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बीच चंडीगढ़ में सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया है।

बिहार के टूरिस्ट स्पॉट मंदार हिल पर महिला से बर्बरता और छेड़छाड़, 6 लोगों पर केस दर्ज

बांका,एजेंसी। बिहार के बांका ज़िले स्थित मशहूर पर्यटन और तीर्थ स्थल मंदार हिल पर एक महिला के साथ बदसलूकी, मारपीट और छेड़छाड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए छह अज्ञात युवकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो क्लिप पर लगे टाइमस्टैम्प के मुताबिक, यह घटना 3 सितंबर की बताई जा रही है, जो 22 सितंबर को पुलिस के संज्ञान में आई। पुलिस के मुताबिक, यह घटना मंदार हिल पर हुई, जो एक मशहूर टूरिस्ट और तीर्थ स्थल है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में टाइमस्टैम्प से पता चलता है कि इसे 3 सितंबर को रिकॉर्ड किया गया था। वीडियो क्लिप में आरोपी महिला के साथ बदतमीज़ी करते और उसे चप्पल से मारते हुए दिख रहे हैं। स्थानीय पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ने बताया कि पुलिस को यह वीडियो 22 सितंबर को अपने सोशल मीडिया सेल के ज़रिए मिला। वीडियो वायरल होने के बाद, पुलिस इसकी सच्चाई का पता लगाने के लिए मंदार हिल पहुँची। टीम ने मौके पर जाकर पुष्टि की कि यह वही जगह है जो वीडियो में दिख रही थी। पुलिस ने मंदार हिल के आस–पास के स्थानीय लोगों और दुकानदारों से पूछताछ की ताकि वीडियो में दिख रहे आरोपियों और महिला की पहचान की जा सके। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से आपराधिक बल का इस्तेमाल), 75 (यौन उत्पीड़न), 76 (महिला के कपड़े उतारने के इरादे से आपराधिक बल का इस्तेमाल) और 3(5) (साझा इरादा) के साथ–साथ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 की धारा 66E और 67A के तहत खुद मामला दर्ज किया।

गुवाहाटी में हिरासत में लिए गए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई

सीईसी आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

गुवाहाटी,एजेंसी। गुवाहाटी में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बैरिकेड पार करने की कोशिश कर रहे थे। यह विरोध श्द इंडियन एक्सप्रेसश की एक रिपोर्ट के बाद हो रहा है, जिसमें कहा गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी नैप से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्तियां जताई थीं। इनमें श्फॉर्म 6श में बदलाव और वोटर लिस्ट के डेटा को संभालने से जुड़े मामले शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आपत्तियां उन फैसलों को लेकर थीं जो कथित तौर पर उनकी जानकारी के बिना या उनकी सिफारिशों के खिलाफ लिए गए थे। कांग्रेस ने चुनाव आयोग के ख़िलाफ़ कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किए हैं। पार्टी नेता वोटर लिस्ट के प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों को लेकर कुमार के इस्तीफ़े और कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गुवाहाटी में कांग्रेस सांसद गोगोई और पार्टी के कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया, जब उन्होंने कथित तौर पर राजीव भवन के पास पुलिस बैरिकेड्स पार करने की कोशिश की। यह विरोध प्रदर्शन पार्टी के राज्य मुख्यालय से शुरू हुआ और इसे मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय तक जाना था, जहाँ प्रदर्शनकारियों की योजना ब्ब् का पुतला जलाने की थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान ।छप् से बात करते हुए, गोगोई ने कुमार के इस्तीफ़े की माँग की और चुनाव आयोग के कामकाज में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई की माँग की। उन्होंने कहा कि आज जब लोगों को पता चल गया है कि ज्ञानेश कुमार जी ने अपराध और देशद्रोह किया है, तो उन्हें आज ही इस्तीफ़ा दे देना चाहिए और उनके ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। गोगोई ने कहा कि यह मामला नागरिकों के वोट देने के मौलिक अधिकार से जुड़ा है और आरोप लगाया कि चुनाव आयोग वोटर लिस्ट की सुरक्षा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा आज भारत एक लोकतंत्र है क्योंकि यहाँ निष्पक्ष चुनाव होते हैं और लोगों का वोट देने का अधिकार सुरक्षित है। आज उन्होंने लोकतंत्र पर हमला किया है। आने वाले समय में भारत की जनता उन्हें बख्शेगी नहीं।

बैंक यूनियनों के प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक जगह देने पर पुलिस सोमवार तक ले फैसला : दिल्ली हाईकोर्ट

नयी दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक यूनियनों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए जंतर–मंतर के अलावा किसी वैकल्पिक जगह की मांग पर फैसला किया जाए। जस्टिस अमित महाजन ने पुलिस को निर्देश दिया कि बैंक यूनियनों के वैकल्पिक स्थल पर प्रदर्शन की मांग पर सोमवार तक फैसला लिया जाए। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि जंतर–मंतर पर कानून–व्यवस्था से जुड़ी समस्या है। बैंक यूनियनों ने पहले जंतर–मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। वैकल्पिक तौर पर दिल्ली में किसी अन्य स्थान पर प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग की गई है। कोर्ट ने साफ कहा कि पुलिस अपने फैसले की जानकारी बैंक यूनियनों के वकील को सोमवार शाम 4 बजे तक दे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन की अनुमति देने में देरी या अनुमति नहीं देने से यूनियनों के शांतिपूर्ण सभा और प्रदर्शन के मौलिक अधिकार प्रभावित हुए हैं। यूनियनों के मुताबिक, 11 सितंबर के प्रदर्शन के लिए 27 अगस्त को ही अनुमति मांगी गई थी।

'मेक इन इंडिया' के 12 साल:

मोदी ने उत्पादन, निवेश और निर्यात बढ़ाने पर दिया जोर

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' पहल के 12 साल पूरे होने पर अलग–अलग सेक्टरों में आए स्पष्ट बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल से देश के आर्थिक बदलावों के मुख्य संकेतकों के तौर पर घरेलू उत्पादन, निवेश और निर्यात बढे हैं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देश में अधिक उत्पादन। देश में अधिक निवेश। हर सेक्टर में स्पष्ट बदलाव! एक अन्य

पोस्ट में प्रधानमंत्री ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धियों की झलक दिखाई गई है। इसके साथ उन्होंने लिखा है कि मेक इन इंडिया से बुनियादी ढांचे, उद्यम और नवाचार तैयार हो रहे हैं जो देश की तरक्की और समृद्धि में योगदान दे रहे हैं। सितंबर 2014 में शुरू की गई श्मेक इन इंडियाश पहल का मकसद देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के तौर पर बढ़ावा देना, घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और रोजगार पैदा करना था। इसके तहत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन, रक्षा, फार्मास्यूटिकल्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सेक्टर में विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने की कोशिश की है। साथ ही घरेलू उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से और ज्यादा मजबूती से जोड़ा है। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए कुछ खास सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसे नीतिगत उपाय भी शुरू किए गए हैं।

राहुल के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा का हमला, बोलीं–चुनावों में धांधली से ओवरकॉन्फिडेंट हो गई है भाजपा

वायनाड,एजेसी। चुनाव आयोग (ईसीआई) में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर मतभेद की मीडिया रिपोर्ट के बाद सियासी

घमासान तेज हो गया है। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। भाजपा के इस बयान पर कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती तो चुनाव की वैधता पर सवाल उठाती है, प्रियंका ने कहा कि भाजपा को घटिया बहाने बनाना बंद करना चाहिए। संसदीय क्षेत्र वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, यह बहुत ही पुरानी और कमजोर कहानी है। तथ्य हैं और सबूत हैं। यह पूरे देश के सामने है। मेरे भाई (राहुल गांधी) ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे दिखाया है। उन्होंने सबूत सामने रखे हैं। अब यह बिल्कुल साफ है कि 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा, यह एक लचर बहाना है और भाजपा को ऐसे बहाने बनाना बंद करना चाहिए। अगर वे चुनावों में गड़बड़ी कर रहे हैं और अगर उनका नेतृत्व चुनाव आयोग से यह काम करा रहा है, तो यह देशद्रोह का काम है।

एनआईए केस में 7 विदेशी नागरिकों को विदेश जाने की इजाजत, परिवार से मिलने अमेरिका-यूक्रेन जा सकेंगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष एनआईए अदालत ने सात विदेशी नागरिकों को सीमित अवधि के लिए अपने परिवार से मिलने विदेश जाने की अनुमति दी है। इनमें अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और यूक्रेन के छह नागरिक शामिल हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को अधिकतम एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की अनुमति दी है। उन्हें निध ारित अवधि के भीतर भारत लौटना होगा और वापसी के 72 घंटे के अंदर अदालत को इसकी सूचना देनी होगी। यह मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की उस जांच से जुड़ा है, जिसमें आरोपियों पर म्यांमार में उग्रवादी समूहों को हथियार और ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाया गया है। विदेश जाने की अनुमति पाने वाले यूक्रेनी नागरिकों में हुर्बा पेट्रो, स्लिवियाक तारास, इवान सुखमानोव्स्की, स्टेफानकिव मारियन, होंचारुक मैक्सिम उर्फ मैक्सिम और कामिन्स्की विक्टर शामिल हैं। अदालत ने विदेश यात्रा की अनुमति देते समय आरोपियों के लिए वापसी से संबंधित शर्तें भी तय की हैं। उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर भारत वापस आना होगा। इसके बाद 72 घंटे के भीतर कोर्ट को अपनी वापसी की जानकारी देनी होगी। इस आदेश के तहत विदेश जाने की अनुमति स्थायी रूप से मामले से राहत नहीं है। जांच और न्यायिक कार्यवाही अपनी प्रक्रिया के अनुसार जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान एनआईए ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। हालांकि, मौजूदा चरण में जांच के लिए इन सातों आरोपियों की तत्काल भारत में मौजूदगी जरूरी नहीं है। जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि अदालत चाहे तो आरोपियों से आवश्यक अंडरटेकिंग ली जा सकती है। इस तरह विदेश यात्रा की अनुमति के बावजूद आरोपियों को अदालत की तय शर्तों का पालन करना होगा।

कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला किशोर, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत धनुहा गांव में बृहस्पतिवार देर रात 17 वर्षीय किशोर शव कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। चाचा–चाची ने उसे फंदे से नीचे उतारा और परिजनों को सूचना देने के बाद स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गए। नैनी

थाना क्षेत्र अंतर्गत धनुहा गांव में बृहस्पतिवार देर रात 17 वर्षीय किशोर का शव कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। चाचा–चाची ने उसे फंदे से नीचे उतारा और परिजनों को सूचना देने के बाद स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर के पिता ने उसकी हत्या का आरोप लगाते हुए नैनी थाने में शिकायत की है। करछना थाना क्षेत्र के रोकड़ी गांव निवासी सुभाष प्रजापति का बेटा पवन प्रजापति (17) नैनी के धनुहा गांव में अपने चाचा–चाची के साथ रहता था। वह चाट–फुलकी का कारोबार करता था। बृहस्पतिवार देर रात चाचा–चाची ने उसे कमरे में फंदे से लटका देखा। इसके बाद उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पवन तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता बाजार में मसाला बेचने का काम करते हैं। किशोर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां कुसुम देवी समेत अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। किशोर के पिता ने नैनी थाने में उसकी हत्या की शिकायत की है। नैनी पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात का दिखा असर, बारिश से मौसम हुआ सुहाना

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात का असर शुक्रवार को प्रयागराज में भी देखने को मिला। सुबह से ही आसमान में काले बादलों का जमावड़ा रहा। तेज हवाओं ने मौसम को सुहाना बना दिया। पश्चिम बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात का असर शुक्रवार को प्रयागराज में भी देखने को मिला। सुबह

से ही आसमान में काले बादलों का जमावड़ा रहा। तेज हवाओं ने मौसम को सुहाना बना दिया। सुबह करीब आठ बजे से शुरू हुई बारिश दोपहर तीन बजे तक जारी रही। यह स्थित बृहस्पतिवार से ही बनी हुई है। कल भी दिन भर बारिश हुई और देर शाम फिर रिमझिम बारिश ने लोगों को सराबोर कर दिया। करीब शाम सात बजे के बाद बूंदाबांदी ने रफ्तार पकड़ी। वहीं, लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक इसी प्रकार के मौसम की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार व शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। इसकी वजह से तापमान में गिरावट आएगी।

जीपीएस से लैस होंगे पेट्रोलमैन, कंट्रोल रूम से होगी सीधी निगरानी

प्रयागराज। सर्दियों के दौरान रेल पटरियों में सिकुड़न और दरार आने के खतरे से निपटने के लिए रेलवे बोर्ड ने उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) समेत देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

सर्दियों के दौरान रेल पटरियों में सिकुड़न और दरार आने के

खतरे से निपटने के लिए रेलवे बोर्ड ने उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) समेत देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। हादसों को रोकने के लिए अब रात में गश्त करने वाले पेट्रोलमैन जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस से लैस होंगे। इनकी लाइव लोकेशन और मूवमेंट पर कंट्रोल रूम से सीधी नजर रखी जाएगी।

इसके अलावा पटरियों का तापमान लगातार मापने के लिए कंटीन्यूअस रेल थर्मामीटर लगाए गए हैं। यह सीधे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम को वास्तविक समय में आंकड़े भेजेंगे। अत्यधिक ठंड और पाले के जोखिम को देखते हुए भोर तीन से छह बजे के बीच विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक सिविल इंजीनियरिंग (प्लानिंग) केआर चौधरी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि गश्त पर केवल अनुभवी कर्मियों को ही तैनात किया जाए। उन्हें ठंड से बचाव के लिए सुरक्षा किट भी दी जाए। इसके अलावा पटरियों की आंतरिक जांच (यूएसएफडी) समय पर पूरी करने और घिसाव या जंग मिलने पर ट्रेनों की रफ्तार घटाने के निर्देश दिए गए हैं।

कवच पर कोहरे का प्रहार, रेलवे बेबस

प्रयागराज। ट्रेनों में हादसों को रोकने के लिए आधुनिक 'कवच' प्रणाली के लाख दावों के बावजूद, सर्दी में छाने वाला घना कोहरा एक बार फिर भारी पड़ता दिख रहा है। दृश्यता शून्य होने और तकनीकी सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने आगामी कोहरे के मौसम के मद्देनजर कई प्रमुख ट्रेनों के पहियों को ब्रेक लगा दिए हैं। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने इसकी पुष्टि की है। कोहरा नहीं पड़ने की स्थिति में भी ट्रेनें रद्द ही रहेंगी। प्रयागराज और आसपास के रूटों से गुजरने वाली कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी तो कुछ के फेरों में कटौती की गई है। प्रयागराज–मुजफ्फरपुर द्वि–साप्ताहिक एक्सप्रेस (14112) दो दिसंबर से 24 फरवरी 2027 तक निरस्त रहेगी। वापसी में मुजफ्फरपुर–प्रयागराज द्वि–साप्ताहिक (14111) भी दो दिसंबर से 24 फरवरी 2027 तक नहीं चलेगी। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–कोलकाता (22198/22197) साप्ताहिक ट्रेन दिसंबर से फरवरी के अंत तक पूरी तरह रद्द रहेगी।

टीजीटी अभ्यर्थियों को मिल सकती है टीईटी से राहत, 15 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। टीजीटी भर्ती की अर्हता में प्रस्तावित बदलाव को लेकर शुरू हुए अभ्यर्थियों के आंदोलन के बाद राहत की उम्मीद जगी है। टीईटी को अनिवार्य करने के प्रस्ताव पर विरोध के बीच मुख्यमंत्री की पहल से करीब 15 लाख अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलने के आसार हैं।

प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के बाद प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिल सकती है। टीजीटी के अभ्यर्थियों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट मिलने के आसार हैं। अगर ऐसा होता है तो प्रदेश भर के तकरीबन 15 लाख टीजीटी अभ्यर्थियों को सहूलियत होगी।

दरअसल, पिछले महीने ही माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। इसमें टीजीटी भर्ती में अर्हता संशोधन की बात कही गई थी। कक्षा 6 से 10 तक के लिए उच्च प्राथमिक स्तर की टीईटी पास करना अनिवार्य किए जाने का प्रस्ताव भी शामिल था।

चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए बीएड के साथ–साथ स्नातक में 50 प्रतिशत या परास्नातक में 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य किया गया है। इस प्रस्ताव के भेजते ही अभ्यर्थियों ने प्रयागराज में

आंदोलन व अनशन शुरू कर दिया था।

19 दिनों तक चले अनशन के बाद मुख्यमंत्री छात्रों के पक्ष में दिखे और उन्होंने कहा कि छात्रों को राहत दिए जाने के लिए एनसीटीई को पत्र भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद से प्रतियोगी छात्रों में उम्मीद जगी है। हालांकि शिक्षा विभाग के आला अफसर टीईटी के मुद्दे पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

प्रतियोगियों को सीएम पर पूरा भरोसा

प्रतियोगी छात्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विक्की खान कहते हैं कि अगर टीजीटी में टीईटी की अनिवार्यता लागू ही करनी थी तो इसके पहले नोटिस देना चाहिए था ताकि जुलाई में आयोजित हुई टीईटी की परीक्षा में टीजीटी के अभ्यर्थी भी शामिल होते।

टीईटी की परीक्षा खत्म होने के बाद ही टीईटी अनिवार्य करने का प्रस्ताव भेज दिया गया है यह अभ्यर्थियों के साथ धोखा है। हम लोगों को मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है कि वह टीईटी से छूट देंगे।

यूपी में छह वर्ष बाद हुआ टीईटी का आयोजन

आठ जनवरी 2020 के बाद यूपी–टीईटी दो, तीन व चार जुलाई को कराई गई थी।

उस समय टीजीटी के अभ्यर्थियों को यह जानकारी नहीं थी कि उन्हें टीईटी पास करना अनिवार्य होगा, ऐसे में ये अभ्यर्थी टीईटी में नहीं शामिल हुए थे। वैसे, एनसीटीई के अनुसार वर्ष में दो बार टीईटी का आयोजन होना चाहिए लेकिन यूपी में 2020 के बाद सीधे 2026 में यह परीक्षा कराई गई।

मेडिकल व नर्सिंग कालेजों में संविदा नियुक्ति कर्मचारियों का शोषण, नियमित भर्ती करे सरकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों में वर्षों से नियमित भर्ती के बजाय संविदा व्यवस्था के सहारे काम चलाए जाने पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि बिना वैधानिक ढांचे के संविदा कर्मचारियों को अनिश्चितकाल तक बनाए रखना उनके शोषण की आशंका बढ़ाता है और समानता के संवैधानिक अधिकार के विपरीत है। कोर्ट ने राज्य सरकार को नर्सिंग कॉलेजों में नियमित भर्ती के लिए प्रस्तावित नियमावली को जल्द मंजूरी देकर अधिसूचित करने का अंतरिम परमादेश जारी किया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों में नियमित भर्ती किए बिना वर्षों से संविदा के आधार पर काम चलाने की व्यवस्था को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने कहा कि बिना किसी वैधानिक ढांचे के संविदा कर्मचारियों को अनिश्चितकाल तक बनाए रखना उनके शोषण की संभावना को बढ़ाता है, जो न्याय व संविधान की भावना के खिलाफ है। इस प्रकार की तदर्थ और संविदा प्रथा समानता

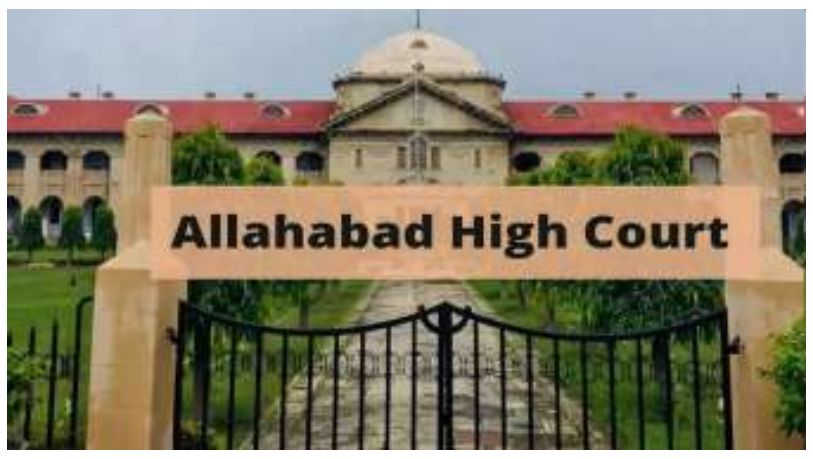

के अधिकार का सीधा उल्लंघन करती है।

बदायूं निवासी याची श्रीनिवासन की प्रिंसिपल–सह–प्रोफेसर के रूप में संविदा आधार पर नियुक्ति हुई थी। तीन जून 2025 के आदेश से उनकी नियुक्ति को इस आधार पर रद्द कर दिया गया कि संविदा को तीन वर्ष से अधिक के लिए लिए नहीं बढ़ाया जा सकता है। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कोर्ट के आदेश के अनुपालन में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के महानिदेशक की ओर से हलफनामा दाखिल किया गया। कोर्ट ने पाया कि पूरे प्रदेश में 500 से अधिक पद संविदा के आधार पर भरे गए हैं। महज दो से तीन प्रतिशत पद ही नियमित हैं। इसके अलावा 25 प्रतिशत मेडिकल व नर्सिंग कॉलेजों का संचालन कार्यवाहक प्राचार्यों के भरोसे चल रहा है।

इस गंभीर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतरिम परमादेश जारी कर कहा है कि नियमित चयनों के लिए प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश नर्सिंग कॉलेज, शिक्षक, सेवा नियमावली, 2026' के ड्राफ्ट को जल्द से जल्द मंजूरी दी जाए। साथ ही तत्काल अधिसूचित किया जाए ताकि जल्द से जल्द पारदर्शी एवं नियमित भर्तियां शुरू की जा सकें।

कोर्ट ने अगली सुनवाई 13 अक्तूबर 2026 तय करते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग से विस्तृत ब्योरा मांगा है। महानिदेशक को अगले हलफनामे में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में खाली पड़े प्रोफेसरों के पदों का ब्योरा, विभागाध्यक्षों के रूप में काम कर रहे असिस्टेंट या एसोसिएट प्रोफेसरों की जानकारी, भर्ती के लिए भेजे गए अधियाचन और जारी विज्ञापनों की वर्तमान स्थिति पेश करने का आदेश दिया गया है।

एससी/एसटी मामले पुलिसकर्मियों को राहत, कोर्ट ने कहा–प्रोटेस्ट पिटीशन को परिवाद मानना गलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के 13 पुलिसकर्मियों को बड़ी राहत देते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा कि विरोध याचिका के साथ शपथपत्र दाखिल करने मात्र से उसे परिवाद नहीं माना जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के खरखौदा थाने में तैनात 13 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी है। कहा है कि प्रोटेस्ट पिटीशन (विरोध याचिका) के साथ शपथपत्र दाखिल करने मात्र से उसे परिवाद नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति संतोष राय ने भुवनेश कुमारी व 12 अन्य की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया।

कोर्ट ने मेरठ के विशेष न्यायाधीश की ओर से छह अक्तूबर 2018 को पारित उस आदेश को भी निरस्त कर दिया, जिसमें पुलिस की अंतिम रिपोर्ट खारिज कर प्रोटेस्ट पिटीशन को परिवाद के रूप में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता सरोज का आरोप था कि 18 जून 2017 को थाने में उसके साथ जातिसूचक गालियां, मारपीट और हिरासत में यातना दी गई। विवेचना के बाद पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। याची ने इसके खिलाफ प्रोटेस्ट पिटीशन दायर की। ट्रायल कोर्ट ने शपथपत्र के आधार पर प्रोटेस्ट पिटीशन को परिवाद के रूप में दर्ज कर लिया।

इस आदेश को आरोपी पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

हाईकोर्ट ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने केस डायरी का समुचित विश्लेषण किए बिना शपथपत्र, फोटो और अखबार की कतरनों के आधार पर अंतिम रिपोर्ट खारिज कर दी। आदेश में पर्याप्त कारण भी नहीं बताए गए। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपियों के पुलिसकर्मी होने के कारण लोक सेवकों को प्राप्त वैधानिक संरक्षण और पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता पर विचार किया जाना चाहिए था।

कोर्ट ने प्रदेश की अदालतों को आदेश दिया कि अंतिम रिपोर्ट पर निर्णय केस डायरी के स्वतंत्र परीक्षण और स्पष्ट कारणों के आधार पर किया जाए। संज्ञान का आदेश स्पष्ट और तर्कसंगत हो और प्रत्येक आरोपी की विशिष्ट भूमिका पर विचार किया जाए। अंतिम रिपोर्ट का निस्तारण सामान्यतः एक माह में किया जाए। कोर्ट ने सभी अपीलार्थियों को आरोपों से मुक्त मानते हुए आगे की कार्यवाही रद्द कर दी।

आरामदायक सफर में बसों से सुरक्षा नदारद, होगी जांच

प्रयागराज। लंबी दूरी की बसों में आरामदायक सीट और अन्य सुविधाएं यात्रियों को आकर्षित करता है लेकिन किसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए बस में इंतजाम पूरे हैं या नहीं, इसकी जांच नहीं की जाती है। फायर सेफ्टी के इंतजाम, प्राथमिक उपचार की सुविधा, निकासी द्वार के बारे में जांच नहीं होती है। यमुना एक्सप्रेसवे पर बस हादसे के बाद प्रदेश में आरटीओ विभाग 28, 29 व 30 सितंबर को ऑपरेशन कवच 2.0 अभियान चलेगा। जिसमें सभी निजी बसों में सुरक्षा मानक सहित अन्य यातायात नियमों को परखा जाएगा। इनमें लंबी रूट व छोटे रूटों की बसें शामिल हैं। लंबी दूरी की बसें ज्यादातर रात में ही चलती हैं। ऐसे में यात्रा आरामदायक हो जाती है। आरटीओ की जांच में अधिकांश बसों के परमिट, रजिस्ट्रेशन देखा जाता है। इसके अलावा सीटों की क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर भी जुर्माना होता है मगर बसों में सुरक्षा के इंतजाम के प्रति उदासीनता देखने को मिलती है। यमुना एक्सप्रेसवे पर बस हादसे के बाद आरटीओ प्रशासन एसपी सिंह ने बताया कि बसों में सुरक्षा के सारे इंतजाम होते हैं। इसकी समय–समय पर जांच होती है। बसों की फिटनेस के सभी मानकों को परखा जाता है। कई बार फिटनेस के समय फायर फाइटिंग सिस्टम व अन्य मानक पूरे दिखाए जाते हैं मगर बाद में उन्हें हटा दिया जाता है। इसकी समय–समय पर जांच होती है।

आपरेशन मेघदूत के शहीद सेकंड लेफ्टिनेंट पीएस पुंडीर के घर पहुंची सियाचिन की मिट्टी

प्रयागराज। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद सेकंड लेफ्टिनेंट प्रदीप सिंह पुंडीर (पीएस पुंडीर) का गृह जिला एक बार फिर गर्व और सम्मान से भर उठा है।

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद सेकंड लेफ्टिनेंट प्रदीप सिंह पुंडीर (पीएस पुंडीर) का गृह जिला एक बार फिर गर्व और सम्मान से भर उठा है। भारतीय सेना की ओर से सियाचिन युद्धक्षेत्र की पवित्र मिट्टी और एक विशेष प्रशस्ति पत्र ससम्मान उनके प्रयागराज के जीरोरोड स्थित आवास पर पहुंचाया गया।

सेना के जवान अजय परिहार ने यह पावन मिट्टी और प्रशस्ति पत्र शहीद पुंडीर के छोटे भाई नीरज सिंह पुंडीर को सौंपा। यह भावुक पल न केवल परिजनों के लिए बल्कि पूरे शहर के लिए गर्व का विषय बन गया। यह सम्मान ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट के कर्नल प्रशांत कुमार और सब मेजर अम्बेश चौहान के माध्यम से भेजा गया। उल्लेखनीय है कि 19 कुमाऊं रेजिमेंट के जांबाज युवा अधिकारी सेकंड लेफ्टिनेंट पीएस पुंडीर ने 29 मई 1984 को ऑपरेशन मेघदूत के दौरान सियाचिन की रणनीतिक चौकी पॉइंट 5965 पर तिरंगा फहराने के अभियान में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। लगभग 16,000 फीट की ऊंचाई पर आए एक भीषण बर्फीले तूफान में उन्होंने देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी थी।

माघ मेले में श्रद्धालुओं का सफर आसान करेंगी 50 इलेक्ट्रिक बसें, शटल सेवा से मिलेगी राहत

प्रयागराज। माघ मेला–2027 में कल्पवासियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए रोडवेज प्रशासन मेला क्षेत्र में 50 इलेक्ट्रिक बसों को शटल सेवा के रूप में चलाएगा। माघ मेला–2027 में कल्पवासियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए रोडवेज प्रशासन मेला क्षेत्र में 50 इलेक्ट्रिक बसों को शटल सेवा के रूप में

चलाएगा। यह विशेष सेवा शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, अस्थायी बस अड्डों, मुख्य पार्किंग स्थलों और सीधे संगम तट को जोड़ेगी। प्रमुख स्नान पर्वों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने पुख्ता कार्ययोजना तैयार की है। पर्वों के दौरान बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को हर पांच मिनट में बस मिलेगी। प्रशासन ने यातायात और भीड़ प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए बैकअप प्लान भी तैयार किया है। जरूरत पड़ने पर जनवरी के शुरुआती दिनों में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी से अतिरिक्त 25 ई–बसों को प्रयागराज लाने की तैयारी है। प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक रविंद्र कुमार ने बताया कि मेले में 50 ई–बसें शटल सेवा के रूप में चलाई जाएंगी। महाकुंभ के दौरान बाहरी शहरों से मंगाई गई ई–बसों से काफी सहूलियत मिली थी।

रूट अप्रूवल में अटकी नोएडा–प्रयागराज–मुंबई हवाई सेवा

प्रयागराज। संगम नगरी को देश के नए एविएशन हब नोएडा (जेवर) अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से सीधे जोड़ने की योजना को फिलहाल झटका लगा है। जेवर एयरपोर्ट से प्रयागराज होते हुए मुंबई तक संचालित होने वाली बहुप्रतीक्षित हवाई सेवा का मामला तकनीकी और रूट अप्रूवल की जटिलताओं में फंस गया है। इस रूट पर सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अब नए सिरे से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसे दशहरे के पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के समक्ष दोबारा विचार के लिए पेश किया जाएगा। एयरपोर्ट निदेशक गणेश यादव का कहना है कि विमानन कंपनी इंडिगो ने इस रूट पर सेवा शुरू करने के लिए दिलचस्पी दिखाई है। इसका नए सिरे से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। पूर्व निर्धारित योजना के तहत इस रूट पर विमान जेवर एयरपोर्ट से उड़ान भरकर सीधे प्रयागराज पहुंचता और यहां यात्रियों के आदान–प्रदान के बाद मुंबई के लिए रवाना होता। वापसी में यह विमान मुंबई से प्रयागराज और फिर जेवर के लिए प्रस्थान करने वाला था। हालांकि, जेवर एयरपोर्ट पर केवल दिन में विमानों के संचालन (डे–टाइम ऑपरेशंस) की बाध्यता और समय–सारिणी (टाइम स्लॉट) के संयोजन से जुड़ी कुछ अन्य तकनीकी प्राथमिकताओं के कारण यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया है। वर्तमान में प्रयागराज एयरपोर्ट से केवल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, भुवनेश्वर और बिलासपुर के लिए ही उड़ानें संचालित हो रही हैं। विंटर शेड्यूल में किसी भी नई उड़ान को शामिल नहीं किया गया है।

फिर रिपेयर होंगे वेंटिलेटर, क्रय विभाग को जानकारी नहीं

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में पीएम केयर फंड के वेंटिलेटरों को लेकर गड़बड़झाला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ, जहां वर्ष 2024 में वेंटिलेटरों की मरम्मत के बाद उन्हें शौचालय और अन्य स्थानों पर छुपा दिया गया। वहीं अब दोबारा वेंटिलेटरों के रिपेयरिंग की तैयारी चल रही है। अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह का कहना है कि रोगी हितकारी फंड से 128 वेंटिलेटरों की रिपेयरिंग कराई जाएगी। उधर, क्रय अनुभाग का कहना है कि उनके पास कोई जानकारी नहीं है। अब तक एस्टीमेट नहीं पहुंचा है।

कोरोना संक्रमण के दौरान एसआरएन अस्पताल को उपलब्ध कराए गए पीएम केयर फंड के 153 वेंटिलेटरों का 2023 से ही इस्तेमाल नहीं हो रहा है। मात्र 25 आईसीयू में रखे गए, जबकि 128 वेंटिलेटर अस्पताल में इधर–उधर रख दिए गए थे। सरकारी दबाव बनने पर सीएमसी नहीं होने की वजह से कॉलेज प्रशासन ने करीब 50 लाख रुपये के अतिरिक्त फंड से वेंटिलेटरों की रिपेयरिंग कराई। रिपेयर करने वाली भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड जनवरी, 2025 तक बिल नहीं जमा कर सकी। इसके बाद देरी से मिले बिल को लखनऊ के डीजी कार्यालय भेज दिया गया। अब अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सभी वेंटिलेटर फिर से क्रियाशील किए जाएंगे। एस्टीमेट तैयार हो गया है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बृहस्पतिवार को अस्पताल के शौचालय से वेंटिलेटर हटा दिए गए। सिस्टर इंचार्ज ने बताया कि आईसीयू वार्ड की साफ–सफाई चल रही थी इसलिए वेंटिलेटर कुछ दिनों के लिए शौचालय में रखे गए थे।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प

प्रयागराज। करेलाबाग़ में ठाकुर हर नारायन सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, तथा वर्ष की थीम रही "Empowering Pharmacists for Healthier Futures"(स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना)

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मासिस्ट की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका एवं समाज के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना रहा। विद्यार्थियों ने फार्मेसी के क्षेत्र में फार्मासिस्ट की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए।वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में फार्मासिस्ट केवल औषधियों के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रोगी परामर्श,दवाओं के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग,स्वास्थ्य जागरूकता तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ थ्वनदकमत बेंपतउंद श्री देवेंद्र सिंह और चेयरमैन डॉ. उदय प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर ब्न् विनय प्रताप सिंह, समिति अध्यक्ष श्री गोविंद बिहारी मिश्रा, प्रधानाचार्य श्री प्रशांत कुमार गुप्ता, कुलसचिव श्री विपुल शर्मा, श्री अजीत उपाध्याय,श्री अक्षय द्विवेदी एवं सुश्री स्वाति केसरवानी सहित शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य श्री प्रशांत कुमार गुप्ता ने किया और विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार एवं सक्षम फार्मासिस्ट बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

कवि सम्मेलन में कवियों ने सरस कविताएं सुनाकर वाह–वाही लूटी

कानपुर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा ब्राह्मण सभा के तत्वावधान में सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती के अवसर पर कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन गत दिवस अटूट बंधन गेस्ट हाउस, यशोदा नगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश शर्मा जी ने तथा युवा कवि रोहित विश्वकर्मा ने कुशल संचालन किया। चर्चित कवि महेंद्र मधुकर एवं अवधेश विश्वकर्मा के संयोजन में आयोजित इस साहित्यिक

समारोह में कवियों ने अपनी विविध रचनाओं से श्रोताओं को देर तक बाँधे रखा। कार्यक्रम के प्रारंभ से समापन तक श्रोताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति बनी रही और काव्य–पाठ पर उपस्थित जनों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं। कवि सम्मेलन में डॉ. विनोद त्रिपाठी, जयराम सिंह जय,अजय मदहोश, विकास शुक्ला, आरती वर्मा, ज्योति तिवारी, अभिषेक अस्थाना, कनक लता गौर, डॉ. अरुण गोपाल, मनीष रंजन, राजीव मिश्रा, गोविन्द नारायण शांडिल्य, रोहित विश्वकर्मा, अरुणेश विश्वकर्मा, गोविन्द वर्मा 'जलज', बृजेन्द्र सिंह, आदित्य 'अजीब', धीरपाल 'धीर', अंजनी अग्रवाल, सुमन लता सचान, अनीता 'अनुश्री' सहित अनेक कवियों ने काव्य–पाठ कर वाह–वाही लूटी।

इस अवसर पर प्रसिद्ध नवगीतकार जयराम 'जय' के नवगीत

सबने अपनी राह में हैं
बो दिए कांटे
दर्द सबका कौन अब बांटे

को श्रोताओं ने तालियों के साथ मनोयोगपूर्वक सुना। उनकी रचनाओं को उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने सराहा।

कार्यक्रम में भगवान विश्वकर्मा जी के सृजन, शिल्प, निर्माण और कर्मशीलता के आदर्शों को स्मरण करते हुए साहित्य एवं समाज में रचनात्मक योगदान की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया तथा उपस्थित कवियों एवं अतिथियों को सम्मानित किया गया। समारोह का समापन उपस्थित कवियों, साहित्यकारों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हुआ।

यूपी की 8 सहकारी चीनी मिलों को उत्कृष्ट दक्षता पुरस्कार

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिखर पर पहुंचे गन्ना व चीनी उद्योग ने नई सफलता अर्जित की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लि. एनएफसीएसएफ नई दिल्ली की ओर से डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार समारोह' में उत्तर प्रदेश की 8 सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया गया। संघ की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर देश की सहकारी चीनी मिलों को गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन और समग्र प्रदर्शन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रत्येक वर्ष दक्षता पुरस्कार दिए जाते हैं, जिससे सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलों की कार्यक्षमता एवं दक्षता में सुधार के साथ–साथ वृद्धि हो सके।वर्ष 2024–25 के लिए घोषित पुरस्कारों में प्रदेश की दि किसान सहकारी चीनी मिल, स्नेह रोड, नजीबाबाद बिजनौर को मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ सहकारी चीनी मिल का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी चीनी मिल, बेलरायां लखीमपुर खीरी को गन्ना विकास, दि किसान सहकारी चीनी मिल, गजरौला अमरोहा को चीनी परता शुगर रिकवरी में सुधार एवं बागपत को–ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बागपत को वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। वर्ष 2025–26 के लिए घोषित पुरस्कारों में भी प्रदेश की चार अन्य सहकारी चीनी मिलों ने परचम लहराया है।

विकासखण्ड देवप्रयाग स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

(संस्कृत पढ़ने से समाजहित निहित– मुख्य अतिथि डा. मूलचन्द्र शुक्ल)

देवप्रयाग। उत्तराखण्ड संस्कृत संस्थान,हरिद्वार के तत्त्वावधान में छात्र–छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि, संस्कार एवं संस्कृतनिष्ठ अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने एवं उसके प्रचार प्रसार के उद्देश्य से विकासखण्ड देव प्रयाग स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिताएँ 2026–27 का आयोजन किया गया।ये 23 एवं 24 सितंबर 2026 को वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज महड़जाली, विकासखंड देवप्रयाग, जनपद टिहरी गढ़वाल में आयोजित हुईं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विकासखंड प्रमुख देवप्रयाग विनोद बिष्ट के मुख्य आतिथ्य, मनोज पाल बिष्ट,ग्राम प्रधान –डांडा एवं अर्जुन चौहान,ग्राम प्रधान कोटी के विशिष्ट आतिथ्य और खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ. भास्कर चंद्र बेबनी की विशिष्ट उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय इंटर कॉलेज महड़जाली के प्रधानाचार्य अनिल सेमवाल ने की। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का विधिवत् शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन में विद्यार्थियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रतियोगिताओं में विकासखण्ड देवप्रयाग के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा 6 से 10 तक तथा वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11 से परास्नातक स्तर तक के छात्र–छात्राओं के लिए छह प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इनमें संस्कृत नाटक, संस्कृत समूहगान,संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत वाद–विवाद, संस्कृत आशुभाषण एवं श्लोकोच्चारण शामिल रहीं। विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी

विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित एवं मन्त्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिताओं में पतञ्जलि गुरुकुलम्,मूल्यगांव ने कनिष्ठ वर्ग की संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत वाद–विवाद,संस्कृत आशुभाषण एवं श्लोकोच्चारण और वरिष्ठ वर्ग की संस्कृत समूहगान, संस्कृत वाद–विवाद, संस्कृत आशुभाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इसी क्रम में कनिष्ठ वर्ग की संस्कृत नाट्य एवं संस्कृत समूहगान प्रतियोगिताओं में राजकीय इंटर कॉलेज हिंडोलाखाल तथा वरिष्ठ वर्ग की संस्कृत समूह नृत्य प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज पौड़ीखाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग की अन्य प्रतियोगिताओं में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

दो दिवसीय प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल, सहायकाचार्य एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष, श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय परिसर चन्द्रबदनी (नैखरी), टिहरी गढ़वाल रहे एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती राधा देवी, ग्राम प्रधान महड़, देवप्रयाग उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रवक्ता सियाराम चौहान,राजकीय इंटर कालेज महड़जाली ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल ने अपने ओजपूर्ण सम्बोधन में संस्कृत पढने से सर्वसमाज का हित निहित है की बात कही। उन्होने संस्कृत भाषा की महत्ता तथा संस्कृत प्रतियोगिताओं के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के अध्ययन,प्रचार–प्रसार एवं संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृत को भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान–परंपरा की महत्वपूर्ण संवाहक भाषा बताया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. हरिश्चन्द्र डंगवाल रहे। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मधुसूदन सती एवं डॉ. ज्ञान सागर कुकरेती ने प्रतियोगिताओं के सफल संचालन एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करने के साथ–साथ उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और मंचीय अभिव्यक्ति को भी विकसित करती हैं। कार्यक्रम में श्री प्रसन्न डबराल, श्री धीरज डंगवाल, श्री वेद प्रकाश बडोनी, श्री कृष्ण कुमार अवस्थी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ, विभिन्न विद्यालयों के संस्कृत शिक्षक, निर्णायकगण, शिक्षक–शिक्षिकाएं, छात्र–छात्राएं,अभिभावक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं का सम्पूर्ण वातावरण संस्कृतमय, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण रहा।

एकात्मदर्शन में तन, मन, बुद्धि और आत्मा का एकीकरण - रामाशीष

प्रयागराज। प्रो० राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में पं० दीनदघ्याल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमान रामाशीष जी भाई साहब, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, गंगा समग्र उपस्थित रहे। मंचस्थ अतिथियों ने पं० दीनदघ्याल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन करके कार्यक्रम की सम्यक शुरुआत की।

दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक, कार्यक्रम संयोजक प्रो० आशुतोष कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि दीन दयाल जी का एकात्ममानववाद हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रकाशित स्वरुप है। विषय प्रवर्तक डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने दीनदयाल जी के आर्थिक दृष्टिकोण को विशेष रुप से व्याख्यायित किया। मुख्य कुलानुशासक प्रो० राजकुमार गुप्त ने कहा कि वेदान्त के आत्मतत्व का व्यावहारिक स्वरूप एकात्ममानववाद में दिखाई पड़ता है। मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान रामाशीष जी ने कहा कि तन, मन, बुद्धि और आत्मा का एकीकरण एकात्मभाव है। चिति शक्ति मूलाधार है। दीनदयाल जी आर्थिक चिंतक थे। अन्त्योदय संकल्पना दीन दयाल जी के सोच का परिणाम है। उनके समय में जनसंघ की स्थापना हुई। नेहरू मंत्रिमंडल से श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर को लेकर इस्तीफा दिया। उन्होंने संघ की स्थापना शिक्षा, सेवा, योगक्षेम एवं यज्ञ के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किया। देश की स्वतंत्रता के समय विचारों के महत्व को सभी ने उल्लेखित किया। दीनदायल जी ने एकात्म मानव दर्शन को प्रस्तुत किया। पहले तन,मन बुद्धि की बात होती थी। दीनदयाल जी ने उसे आगे बढ़ते हुये आत्मा की बात सबसे ऊपर रखा। चिति के माध्यम से दीनदयाल जी ने आत्मा को प्रस्तुत किया एवं उसे राष्ट्र, एकात्म मानव दर्शन से जोड़ा। व्यक्ति की समझ ही चिति है वही राष्ट्र को एक करती है। राष्ट्र को अगर बचाना है तो चिति को जिंदा रखना है। एकात्ममानव दर्शन व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र को एक मानता है।अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक कुमार सिंह ने रामाशीष जी के विचारों, कार्यों एवं व्यक्तित्व की सराहना की। हरियाली गुरु ने सभी अतिथियों को पौधा समर्पित किया। डॉ. पीयूष मिश्र ने संगोष्ठी का कुशल संचालन किया। डॉ. अलका मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील जी भाई साहब, मंगलजी, शिवप्रताप जी, सत्येन्द्र जी, डॉ. अलका मिश्र, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ. दिव्या द्विवेदी, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. अतुल वर्मा, डॉ. देवकी नंदन मिश्रा, डॉ. बब्लू यादव एवं भारी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

हिन्दी विभिन्न भारतीय भाषाओं को जोड़ने वाली माला का सूत्र- प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस"

प्रयागराज। केन्दीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" की अध्यक्षता में उपवेशन का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में हिन्दी को कार्यालय की

मुख्यभाषा के रूप में अवस्थापित करते हुए परिसरीय समस्त कार्यों में अधिकतम उपयोग करने के विषय में चर्चा की गई। निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने इस अवसर पर परिसर के समस्त विभागों द्वारा हिन्दी में कार्य करने की सराहना करते हुए हिन्दी को समावेशी भाषा बताया। उनके अनुसार हिन्दी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी न होकर सभी भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय रखने वाली भाषा है। उन्होंने हिन्दी को विभिन्न भारतीय भाषाओं रूपी माला को पिरोने वाला सूत्र बताया, जो सभी को जोड़कर रखती है। उनके अनुसार हिन्दी देश को एक सूत्र में बाँधे रखने का कार्य करती है। इसके पूर्व परिसर के संगणक विशेषज्ञ एवं राजभाषा अधिकारी (प्रभारी) राजेशकान्त तिवारी ने परिसर में राजभाषा की प्रगति एवं कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मन्त्री माननीय अमित शाह का हिन्दी दिवस पर उनके द्वारा दिये गये विशेष सन्देश से अवगत कराया। गृहमंत्री श्री अमित शाह का सन्देश पढ़कर उन्होंने समस्त परिसरीय सदस्यों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह के राजभाषा सम्बन्धी विचारों एवं कार्ययोजना से अवगत कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय ने उपवेशन में उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये उनके द्वारा किये जा रहे कामकाजों का उल्लेख किया। परिसर में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेकों प्रतियोगिताओं, काव्य पाठ इत्यादि का आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी पखवाड़ा का समापन दिनांक 30 सितम्बर 2026 को सम्पन्न होगा। संचालन राजेशकान्त तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. रामरूप, डॉ. मोनाली दास, डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, डॉ. मंगलदेव त्रिपाठी, श्री अंकित मिश्र समेत परिसरीय समस्त सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारीगण समुपस्थित रहे।

छोटी–सी है बात

छोटी–सी यह बात है,अर्थ बहुत गंभीर।
संयम खाया शब्द ने, घायल हुआ शरीर।
घायल हुआ शरीर, किताबी बात न समझो।
आपस की तकलीफ, बैठकर साझा कर लो।
समझ न पाए बात, रहीं जो छोटी–छोटी।

अंतस में जिनके सदा रहते हैं श्री राम।
खामोशी से वह सदा,करें लोकगीत काम।
करें लोकहित काम, न सेवा उनकी रुकती।
नदियों–सा दिन रात, हमेशा चलती रहती।
सुन लो कहें प्रदीप, यही हैं सच्चे मानव।
निर्मलता का पाठ, पढ़ाता इनका अंतस।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बारिश जारी रही, लेकिन स्वच्छताग्रही डटे रहे

157 घंटे सतत महासफाई अभियान का भव्य शुभारंभ'

प्रयागराज। स्वच्छता ही सेवा 2026 के अंतर्गत नगर निगम प्रयागराज द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर 2026 को प्रातः 8रू30 बजे नाग वासुकी मंदिर में स्वच्छता श्रमदान, मंदिरों के फूलों से सुंदर रंगोली निर्माण एवं स्वच्छता गतिविधियों के साथ 157 घंटे सतत महासफाई अभियान का शुभारंभ किया गया।

महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी ने नगर निगम की 75 स्वच्छता एवं सेवा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान

को गति प्रदान की।

तेज बारिश भी स्वच्छताग्रहियों के हौसले को नहीं रोक सकी।

लगातार बारिश के बीच नगर निगम की डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण वाहन, स्वीपिंग मशीन, सक्शन–कम–जेटिंग मशीन, डी–सिल्टिंग व्हीकल, जेसीबी, प्रचार वाहन, त्ैड एवं जलकल विभाग के वाहनों ने अपनी सेवाओं का प्रदर्शन करते हुए 157 घंटे लगातार स्वच्छता कार्य के लिए मोर्चा संभाला।

इस अवसर पर माननीय महापौर जी ने उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छताग्राहियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपते हुए अभियान को सफल बनाने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी–कर्मचारी एवं स्वच्छताग्रही उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर सूचना संख्या- वि0/गतिशक्ति/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/72 — दिनांक : 23.09.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : वि0-ग0श0यू0-कार्य ठेका-75R-2026

कार्य का विवरण : प्रयागराज डिवीजन में "विकसित जीएमसी यार्ड को सैटेलाइट स्टेशन के विकसित करने के संबंध में जीएमसी यार्ड में 12 मीटर चौड़ा एफओबी (फुटओवर) उपलब्ध कराने संबंधित विद्युत कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 6356720.24	बिड सुरक्षा राशि : रु. 127100.00
कार्य अवधि : 08 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 21.10.2026 & 15:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 21.10.2026 & 15:30 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2176/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : GEM/2026/B/6072932 — दिनांक : 23.09.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं जेम पर दिनांक 15.10.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

जेम बिड सं. : GEM/2026/B/6072932 दिनांक : 23.09.2026

कार्यों का विवरण : SSE/W/ETW के अनुभाग में ADEN/NCR/ETW के अधीन SB (जोड़कर) से AAP (जोड़कर)-मेन लाइन तथा ETW (जोड़कर) से करहल (जोड़कर)-ब्रांच लाइन के मध्य के सेक्शन, अन्य सेवा भवनों एवं रेलवे कॉलोनियों के वार्षिक अनुरक्षण की सेवाएं 02 वर्ष की अवधि हेतु प्रदान करना तथा SSE/W/FZD के अनुभाग में ADEN/NCR/FZD के अधीन TDL (छोड़कर) से JGR (जोड़कर)-मेन लाइन तथा SKB (छोड़कर) से FBD (जोड़कर)-ब्रांच लाइन के मध्य के सेक्शन, अन्य सेवा भवनों एवं रेलवे कॉलोनियों के वार्षिक अनुरक्षण की सेवाएं 02 वर्ष की अवधि हेतु प्रदान करना।

अनुमानित मूल्य (रू) : 12112076.40	अग्रिम धन राशि मूल्य (रू) : 210560.00
कार्य समापन की अवधि : 24 माह	निविदा बंद होने की तिथि : 15.10.2026

पात्रता मानदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कोई सिविल इंजीनियरिंग का कार्य।

नोट: 1. ऑनलाइन निविदा बंद होने की तिथि तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि तक उपलब्ध है। 2170/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0- पीआरवाईजे-सिग-042-2026-27

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समo उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं. : 042	अनुमानित मूल्य : 5360338.57

कार्य का विवरण : अगोरी खास स्टेशन पर लूप लाइन संख्या-1 (सीपीयू एंड) एवं इंजन साइडिंग के मध्य कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने हेतु सिग्नलिंग कार्य।

धरोहर राशि : 107200/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00
कार्य समापन की अवधि : बारह माह	निविदा खुलने की तिथि : 16.10.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टाम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2167/26 (AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे–कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निर्देशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे–धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है। निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी–अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य–अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततरू इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा–चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच–पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर–तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

क्या होगा लोकतंत्र का भविष्य

डॉ. दीपक पाचपोर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसके लॉन्च के समय कहा था कि यह सिस्टम कानून के अनुरूप बनाया गया है। लेकिन अब खुलासा हुआ है कि राज्यों में मतदाता सूची तैयार करने और उसमें नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन करने के लिए कानूनन जिम्मेदार अधिकारियों को कुछ मामलों में इस नए सिस्टम पर अपेक्षित अधिकार नहीं मिल पा रहे थे।

लोकतंत्र को बनाए और बचाए रखने का एकमात्र उपाय है संविधान की बनाई व्यवस्था के मुताबिक निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव। नागरिकों को मताधिकार इसलिए ही दिया गया है, ताकि वे अपनी मर्जी के प्रत्याशी को वोट दें और फिर जिसे बहुमत मिले, वह दल सत्ता पर काबिज हो। लेकिन मोदी सरकार में इस सीधी, स्पष्ट व्यवस्था पर बारम्बार चोट की गई। इस काम में चुनाव आयोग को भी इस्तेमाल में लाने के आरोप विपक्ष ने लगाए। अब अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस की एक खोजी रिपोर्ट से इन आरोपों को और बल मिला है। रिपोर्ट में चुनाव आयोग के अंदर मतदाता सूची के प्रबंधन और उसके डिजिटल सिस्टम को लेकर गंभीर मतभेदों का खुलासा किया गया है। इस खास खबर के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में कई बार चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आईटी सिस्टम में बदलाव और मतदाता सूची के नियंत्रण के केंद्रीकरण पर आपत्ति दर्ज की। दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी अपनी आपत्तियों से अवगत कराया। उन्होंने कैबिनेट सेक्रेटरी तक अपनी आपत्तियां पहुंचाईं। लेकिन ज्ञानेश कुमार और कैबिनेट सेक्रेटरी ने चुप्पी साध ली। जिसके बाद मजबूरन दो महीने पहले जुलाई में दोनों चुनाव आयुक्तों ने अलग–अलग पत्र लिखकर कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को भी चुनाव आयोग के प्रशासनिक और आईटी ढांचे में हुए बदलाव की जानकारी दी। दरअसल चुनाव आयोग ने इस साल 22 जनवरी को ईसीआईनेट नाम का नया डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया था। इसके जरिए आयोग के 40 से ज्यादा ऐप और पोर्टल को एक ही तकनीकी ढांचे के अंतर्गत लाया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसके लॉन्च के समय कहा था कि यह सिस्टम कानून के अनुरूप बनाया गया है। लेकिन अब खुलासा हुआ है कि राज्यों में मतदाता सूची तैयार करने और उसमें नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन करने के लिए कानूनन जिम्मेदार अधिकारियों को कुछ मामलों में इस नए सिस्टम पर अपेक्षित अधिकार नहीं मिल पा रहे थे। दरअसल 1950 का जन प्रतिनिधित्व कानून और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स, 1960 के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर यानी ईआरओ होता है। ईआरओ अमूमन एसडीएम या जिला प्रशासन के समान स्तर का अधिकारी होता है। जिन पर मतदाता सूची तैयार करने, दावों और आपत्तियों की सुनवाई करने तथा किसी नाम को सूची में रखने या हटाने का निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले करीब 10 महीनों में कई राज्यों में ऐसी स्थितियां सामने आईं जहां ईआरओ कानूनन फैसला तो ले रहे हैं, लेकिन उसे सॉफ्टवेयर में दर्ज नहीं कर पा रहे थे। यानी वोटर लिस्ट में किसी नाम को जोड़ना, हटाना, पहले लिए गए निर्णय को बदलना या अपील की प्रक्रिया आगे बढ़ाना अब ईआरओ के हाथ में नहीं रहा और नए सिस्टम के कारण इन फैसलों का नियंत्रण दिल्ली स्थित आईटी डिवीजन के स्तर पर केंद्रित हो गया। इसी पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू के निर्देश पर तत्कालीन उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार ने आईटी महानिदेशक सीमा खन्ना और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखा कि ईआरओ, डीईओ और सीईओ के वैधानिक अधिकार उन्हीं अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने चाहिए और किसी अन्य व्यक्ति या व्यवस्था द्वारा उन्हें सीमित नहीं किया जाना चाहिए। सुखबीर सिंह संधू ने यह भी बताया कि आईटी डिवीजन ने पिछले कुछ महीनों में कई नए मॉड्यूल और पोर्टल विकसित किए हैं, लेकिन इनकी जानकारी आयोग के सभी सदस्यों को नहीं दी गई। इनके अलावा दूसरे चुनाव आयुक्त विवेक जोशी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त, संधू और संजय कुमार को पत्र लिखकर मतदाता सूची के डेटाबेस के श्क्रमिक केंद्रीकरणय पर चिंता जताई। जोशी ने सुझाव दिया कि इस पूरे सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। उन्होंने आईआईटी के किसी बाहरी विशेषज्ञ को शामिल करने का प्रस्ताव रखा ताकि यह प्रमाणित किया जा सके कि मतदाता डेटाबेस में बदलाव करने का अधिकार सिर्फ उन्हीं वैधानिक अधिकारियों के पास हो जिन्हें कानून ने यह अधिकार दिया है। मतलब एसआईआर और नए आईटी सिस्टम के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जाने पर ज्ञानेश कुमार तो बेफिक्र थे, लेकिन अन्य दोनों चुनाव आयुक्त लगातार बिगड़ती व्यवस्था पर चिंता जता रहे थे। इन पर ध्यान देने की जगह उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार, जो कि चुनाव आयोग के आईटी डिवीजन के काम की निगरानी कर रहे थे, उन्हें ही वहां से हटा दिया गया। तब दोनों चुनाव आयुक्तों ने अलग–अलग पत्र लिखकर कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को इस प्रशासनिक बदलाव की जानकारी दी और इसे कानून का श्स्पष्ट उल्लंघनश बताया। यह शायद पहली बार है कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने पहली बार इस तरह आयोग के अंदर लिए गए किसी प्रशासनिक आदेश को लेकर देश के शीर्ष नौकरशाह को सीधे शिकायत की। यह सब केवल चुनाव आयोग के भीतर ज्ञानेश कुमार के लिए फैसलों से असहमति के तौर पर नहीं देखा जा सकता। बल्कि अब यह नजर आ रहा है कि चुनाव आयोग के भीतर निष्पक्षता और पारदर्शिता से काम नहीं हो रहा है। विपक्ष ज्ञानेश कुमार पर भाजपा की बी टीम की तरह काम करने का आरोप लगाता रहा है।

जनता उठ कर खड़े हो, वर्ना लुटना तय है

सर्वमित्रा सुरजन

चोर जब घर के भीतर तक घुस आएं और घर वाले फिर भी आराम से पड़े हुए यह सोचते रहें कि चोरी रोकने के लिए पुलिस वाले आएंगे, हम उनका काम क्यों करें, तो तय है कि घर का सारा सामान लुट जाएगा। इसके बाद घर वाले पछतावा करें कि हमने किसी और का इंतजार क्यों किया, क्यों अपनी संपत्ति बचाने के लिए हम खुद खड़े नहीं हुए, तो इस पछतावे का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। बड़े बुजुर्गों ने इसलिए कहा है कि अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत। देश का मौजूदा माहौल तो ऐसा ही बन चुका है कि लोकतंत्र की लहलहाती फसल को पूरी तरह बर्बाद किया जा चुका है। पूरा खेत लोकतंत्र के दुश्मन टिड्डी दल, गिद्धों, बाजों ने खत्म कर दिया है। अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस की बुधवार को प्रकाशित खोजी रिपोर्ट इसी बर्बादी की और उन्हीं आरोपों की पुष्टि करती हुई नजर आती है, जो राहुल गांधी एक अरसे से लगा रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने श्10 महीने में 14 बार चुनाव आयोग के कदमों को लेकर आपत्तिश दर्ज कराई है। इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने खुद को अंधेरे में रखने से लेकर नए मतदाताओं को जोड़ने और नाम हटाने को लेकर दर्ज कराईं और श्अनधिकृत, गैरकानूनीश कदमों पर सवाल उठाए। जाहिर है ये सवाल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर ही उठाए गए हैं। जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है, लेकिन यह किसी भी तरह व्यावहारिक नहीं है। क्योंकि इन अपीलों पर फैसला आने में वक्त लग रहा है और चुनाव में लाखों योग्य मतदाता वोट ही नहीं डाल पा रहे। यह सीधे–सीधे लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया को खत्म करने का ही कदम है। श्द इंडियन एक्सप्रेसश की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन मुद्दों पर तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर भी बार–बार सवाल उठाए गए थे और आपत्तियां दर्ज की गई थीं। राहुल गांधी कई बार कह चुके हैं कि वोटर लिस्ट से नाम काटना वोट चोरी है और यह देशद्रोह है। राज्यसभा में भी 24 अप्रैल 2026 को 73 विपक्षी राज्यसभा सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए सेक्रेटरी जनरल को नया नोटिस ऑफ मोशन सौंपा था। लेकिन अब तक संसद का मानसून सत्र ही औपचारिक तौर पर समाप्त नहीं हुआ है। तो सवाल है कि क्या माननीय राज्यसभा सभापति अब उस लंबित नोटिस पर निर्णय लेंगे? अब सवाल केवल वोट चोरी का ही नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर मोदी सरकार के कब्जे का है। गौरतलब है कि पहले बाकी विपक्ष राहुल के साथ नहीं था। लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद जब भाजपा विरोधी खेमे ने दिल्ली, बिहार, बंगाल सारे राज्यों में मात खाई तो सारे विपक्षी दलों को समझ आया कि राहुल गांधी जो आरोप 2024 के लोकसभा चुनावों से लगाते आए हैं, वो बेबुनियाद नहीं हैं। राहुल गांधी के पिछले डेढ़–दो सालों के वीडियो और बयानों को खंगाल लीजिए, संसद से लेकर चुनावी मंच, प्रेस कांफ्रेंस या छात्रों की गूंज जैसे कार्यक्रमों में हर जगह उन्होंने लगातार यही कहा है कि देश में वोट चोरी की जा रही है। देश के सिस्टम पर जिन पांच–छह लोगों ने कब्जा कर रखा है, वो एक गिरोह की तरह देश को लूट रहे हैं। इस लूट में प्राकृतिक संसाधनों और आम जनता की जमा–पूंजी की लूट ही शामिल नहीं है, इससे बढ़कर संविधान को खत्म करने और लोकतंत्र का हक लूटने का काम भी हो रहा है। सबसे दुख की बात यह है कि इस लूट में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका यानी लोकतंत्र के तीनों स्तंभों का बराबर का अपराध नजर आ रहा है। अगर सत्ता में बैठे लोग कुर्सी पर बने रहने के लिए लूट की साजिशें बना रहे हैं, तो प्रशासनिक अधिकारी, संवैधानिक संस्थाएं उन्हें रोक सकती हैं। लेकिन पद, पैसा या अन्य किसी दबाव में कई अधिकारी भी इसमें शामिल हो गए। संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता को सत्ता के पैरों में रख दिया गया। हालात फिर भी संभल सकते थे अगर न्यायपालिका इसमें वक्त रहते दखल देती। चुनाव चोरी की तमाम अलग–अलग कोशिशों पर पिछले दो सालों में कई किस्म की याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। ईवीएम, इलेक्टोरल बॉन्ड्स, राजनैतिक दलों को तोड़ने, विधायकों–सांसदों की खरीद–फरोख्त, एसआईआर जैसी तमाम चुनावी या सियासी गड़बड़ियों पर दर्जनों याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। हर सुनवाई के वक्त उम्मीद बंधी कि शायद इस खुली लूट पर अदालत ही कोई रोक लगाए। अगर ऐसा होता तो हालात काफी बेहतर होते। लेकिन एक भी फैसला ऐसा नहीं आया जो लुटेरों के लिए बेड़ियों का काम करता। बल्कि हर सुनवाई के बाद लुटेरों का हौसला और बुलंद होता गया। उन्हें यकीन हो गया कि इस लूट में न्यायपालिका भी साथ देगी। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह का वीडियो सुप्रीम कोर्ट समेत पूरे देश ने देखा था। जिसमें भाजपा की जीत के लिए वो मतसूची से कांग्रेस और आप के आठ वोटों को काटते दिखे थे। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अनिल मसीह के खिलाफ नोटिस जारी किया। इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया था। लेकिन अब वही अनिल मसीह मनोनीत पार्षद बनाए जा चुके हैं। अब हालात ऐसे बन चुके हैं कि लोकतंत्र का कत्ल केवल चंडीगढ़ में नहीं हुआ, बल्कि पूरे देश में साजिशन इसे मारने की कवायद शुरु हो चुकी है। इस साजिश का नाम एसआईआर है। बिहार में चुनाव से पहले जब सबसे पहले एसआईआर करवाने का काम शुरु हुआ था, तभी सवाल उठे थे कि जब इसी लिस्ट पर लोकसभा चुनाव हो चुके हैं तो विधानसभा चुनाव से पहले इस लिस्ट को फिर से परखने की क्या जरूरत। अगर यह कवायद शुरु करना जरूरी ही है तो किसी ऐसे राज्य से इसे शुरु किया जाए, जहां चुनावों में वक्त है। इसमें अगर किसी को अपने कागजात दुरुस्त करके दिखाने हैं तो उसे वक्त भी मिलेगा। लेकिन ऐसे तर्क तो उसी के सामने काम आएंगे, जिसकी नीयत लोकतंत्र को मजबूत करने की है। जिसका लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही कायम करने का खतरनाक इरादा हो, उसे ऐसे तर्कों से भला क्या काम। लिहाजा बिहार में चुनावों से पहले एसआईआर हुआ, इसमें लाखों लोगों के नाम कट गए। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने तब वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी, जिसमें तमाम विपक्षी दलों के नेता अलग–अलग वक्त में शामिल हुए। माहौल ऐसा बना कि अब भाजपा और चुनाव आयोग पर दबाव बनेगा और इस यात्रा का सार्थक नतीजा निकलेगा। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं हुआ। इस यात्रा में ही विपक्ष के किसी दुश्मन ने नरेन्द्र मोदी की मां पर टिप्पणी की, जिसका वीडियो वायरल करने और मोदी के पक्ष में माहौल बनाने का काम गोदी मीडिया ने किया। फिर सारा विमर्श स्त्री सम्मान पर आ गया। वोट चोरी का मुद्दा दबाया गया। बाद में भाजपा की बड़ी जीत ने सारे सवालों को दबा दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष उन जिंदा लोगों को बतौर सबूत ले कर आया, जिन्हें मृत बताकर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था, लेकिन फिर भी कोई सही फैसला नहीं आया, जिससे उम्मीद बंधती कि ऐसी गलत कवायद पर रोक लगेगी। अब तो खैर पानी सिर के ऊपर से जा चुका है। नरेन्द्र मोदी तो अपने लिए स्थायी सत्ता का इंतजाम करने के लिए सारे नियम–कानूनों को ताक पर रख चुके हैं, संवैधानिक संस्थाओं का किस तरह क्षरण हो गया है, यह भी जाहिर है।

भारतीय कूटनीति का नया क्षितिजः ब्रिक्स सम्मेलन

डॉ.नीरज कुमार मिश्र

यथा शिखा मयूराणां नागानां मणयो यथा–जिस प्रकार मोरों में कलगी और नागों में मणि का स्थान सर्वोपरि है, ठीक उसी प्रकार समकालीन राजनीति के इस दौर में आज का भारत वैश्विक कूटनीतिक धरातल पर अपनी समभाव की भावना को आगे बढ़ाने में सर्वोपरि रहा है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भव्य भारत मंडपम में संपन्न हुआ 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन महज अंतरराष्ट्रीय देशों की मेजबानी करने तक ही सीमित नहीं था,बल्कि यह बदलते राजनैतिक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक दूरदर्शिता और वैचारिक नेतृत्व के एक नए क्षितिज का निर्माण भी कर रहा था। पारस्परिक लचीलापन, सकारात्मक नवाचार,आपसी सहयोग आदि मूलमंत्र के साथ,श्नई दिल्ली घोषणापत्रश पर सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मति को कूटनीति के क्षेत्र में भारत की एक अद्वितीय और निर्णायक पहल के रूप में देखा जा सकता है। आज के दोहरे वैश्विक संकटों, जिनमें पश्चिम एशिया में अमेरिका–इजरायल के साथ ईरान का युद्ध और पूर्वी यूरोप में रूस–यूक्रेन संघर्ष प्रमुख हैं। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस शिखर सम्मेलन में इन संकटों के बीच एक साझा आम सहमति बनाने की कोशिश वैश्विक पटल पर शांति के क्षेत्र में नई संजीवनी की तरह काम करेगी। जिससे वैश्विक पटल पर शांति के नए द्वार खोले जा सकते हैं। इस सम्मेलन समूचे नीतिगत ढांचे के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत मंडपम केवल वैश्विक देशों के भाषणों का मंच ही नहीं बनकर रह गया,बल्कि वह ब्रिक्स देशों के आपसी संबंधों का नया ताना–बाना तैयार करने के साथ, इन संबंधों को सुधारने और द्विपक्षीय विमर्श को एक नई दिशा–दशा तय करने वाली प्रयोगशाला भी बनाकर उभरा। सीमाई गतिरोधों को दूर करने और पूर्व–स्थापित समझौतों का सम्मान करने की पृष्ठभूमि में भारत और चीन के बीच हुई गंभीर बातचीत ने यह दर्शाया है कि कूटनीतिक परिपक्वता के आलोक में आपसी संबंधों के बीच घिर आए बादलों से उपजे अंधेरे को दूर किया जा सकता है। आज अमेरिकी प्रतिबंधों से अनेक देश प्रभावित हैं। भारत इससे अछूता नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि इन प्रभावित देशों के साथ भारत का सकारात्मक संवाद आपस के आपसी समन्वय की गति को बढ़ाने वाला साबित होगा। इस संवाद को कूटनीतिक स्वायत्तता की नई मिसाल की तरह देखा जा रहा है। वहीं, ब्रिक्स के नए सदस्य देशों के साथ भारत ने अपने पारंपरिक ऊर्जा संबंधों में सुधार करते हुए एक नए मैत्रीपूर्ण सेतु को तैयार करने का महत्वपूर्ण काम किया है। इस सम्मेलन की सफलता का प्रतिफलन यह है कि व्यापारिक नवोन्मेष और वित्तीय संप्रभुता के साथ आर्थिक और व्यापारिक मोर्चों पर भारत ने व्यापारिक लेन–देन में दूसरे देशों की मुद्रा पर निर्भरता कम करने की बात पर बल दिया है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के साथ, देश से बाहर डिजिटल भुगतान प्रणालियों के आपसी जुड़ाव और वैश्विक ऊर्जा एवं आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखने जैसे मुद्दों पर आपसी बातचीत से एक ऐतिहासिक सहमति बनती दिख रही है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि यह सम्मेलन सामाजिक,आर्थिक, राजनैतिक,सांस्कृतिक,सामरिक,भौगोलिक और साहित्यिक जैसे अनेक क्षेत्रों के बीच पनप रही चेतना के अद्भुत संगम की तरह हमारे सामने खड़ा अपनी सफलता का जश्न मना रहा है। इसी के फलस्वरूप इस सम्मेलन में मानवीय सरोकारों के स्तर पर,भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंजश और महामारी से निपटने के लिए एक त्वरित वैक्सीन सहयोग नेटवर्क का प्रस्ताव भी रखकर महत्वपूर्ण पहल की है। ऐसे में हम यदि सांस्कृतिक और साहित्यिक के रूप में इस सम्मेलन की बात करें तो लंबे समय से वैश्विक अकादमिक विमर्श और राजनैतिक–ऐतिहासिक आख्यानों पर पश्चिमी जगत का एकाधिकार रहा है। भारत ने न केवल इस एकाधिकार के बरक्स सदस्य देशों के विचारकों, इतिहासकारों और साहित्यकारों को एक मंच प्रदान किया,बल्कि खुद भी इस एकाधिकार का हमेशा से विरोध करता चला आ रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व और विकासशील देशों के अपने समृद्ध दर्शन, मत, वैचारिक सरोकार और समकालीन सामाजिक–साहित्यिक परिप्रेक्ष्य को वैश्विक मुख्यधारा में उनका सही व सम्मानजनक स्थान दिलाना था। इस ब्रिक्स सम्मेलन से यह संदेश संप्रेषित हुआ कि से सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से भारत एक मजबूत सहयोगी की तरह सबके साथ खड़ा है। क्योंकि इस सम्मेलन ने केवल वर्तमान की समस्याओं का समाधान नहीं किया,बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की तरफ भी सबका ध्यान खींचा। ब्रिक्स देशों के इस मंच से भविष्य की नई संभावनाओं के साथ एक न्यायसंगत मंच का एकजुटता दिखाते हुए शक्ति की मौलिक संकल्पना के साथ उभरना एक ऐतिहासिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इस मंच से एक वैकल्पिक वैश्विक शासन का ऐसा ढांचा बनाने में मदद मिली। जिसके फलस्वरूप आपसी सहयोग के मजबूत होने से भविष्य में एक ऐसा लोकतांत्रिक ढांचा तैयार हो रहा है,जो पश्चिमी देशों के एक तरफा प्रतिबंधों और संरक्षणवाद के खिलाफ विकासशील देशों को एक सुरक्षा कवच बनकर उभरेगा साथ ही ब्रिक्स देशों ने इस मंच पर श्मिशन लाइफश और जलवायु परिवर्तन के सिद्धांतों को अपनाकर भविष्य में हरित ऊर्जा और पर्यावरण–अनुकूलन जैसे नवाचारों के लिए नए निवेश और संयुक्त अनुसंधान के नए द्वार खोलने का महती काम किया है। ब्रिक्स 2026 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लोकतंत्रीकरण की राह में चलने का आह्वान किया। इसकी सहायता से आने वाले समय में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ने और वैश्विक व्यापार में किसी एक मुद्रा के वर्चस्व से मुक्त होकर संतुलित और समावेशी रास्ता अपनाने पर जोर दिया। इस सम्मेलन के समूचे पहलुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत आज उस वैश्विक मुकाम पर अवस्थित है, जहां उसकी शांतिप्रियता कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अटूट आर्थिक–सामरिक शक्ति और कूटनीतिक सामर्थ्य का परिचायक है। ऐसे में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की यह प्रसिद्ध पंक्तियां आज के सशक्त,समन्वयक और मध्यस्थ भारत की कूटनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती प्रतीत होती हैं–क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल होश्उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो। दो दिन चले इस मंथन में भारत ने अपनी चाणक्य सरीखी नीति के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स किसी एक विचारधारा या देश के प्रभुत्व में न आकर,वह वैश्विक कल्याण की भावना,नवीन नवाचार और सतत विकास के लिए एक व्यावहारिक और सहयोगी मंच के रूप में सबके साथ खड़ा रहे। इस सम्मेलन के माध्यम से भारत मंडपमश से निकला मैत्री का यह उद्घोष आने वाले दशकों तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थशास्त्र, सामरिक दृष्टि, संस्कृति और वैश्विक चिंतन की दशा–दिशा तय करने में मील का पत्थर साबित होगा। अदम गोंडवी से माफी मांगते हुए उनके शब्दों में कुछ बदलाव के साथ अपनी बात खत्म करूंगा कि–जो उलझकर रह गई है फाइलों के जाल में, भारत की कूटनीति मुस्कुराई मंडपम के हाल में।

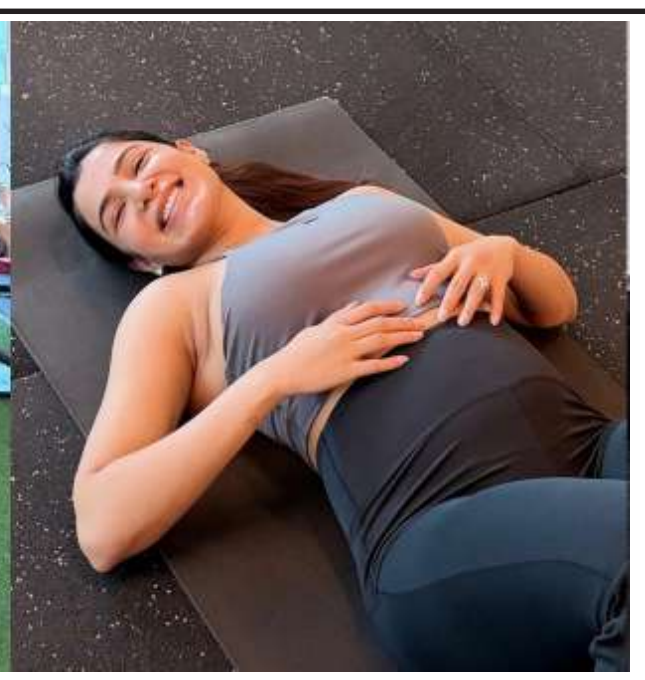

इन दिनों ट्रेनिंग थोड़ी अलग है... प्रेग्नेंसी में खुद को इस तरह फिट रख रहीं सामंथा रूथ प्रभु, शेयर किया वर्कआउट वीडियो

मां बनने वालीं सामंथा रूथ प्रभु दिखा रही हैं कि उनकी प्रेग्नेंसी फिटनेस रूटीन का मतलब है अपने बदलते शरीर की बात सुनना। यह एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं और दिसंबर में अपने पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं, ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट वर्कआउट सेशन की एक झलक शेयर की। वीडियो में सामंथा को सीटेड केबल रो करते हुए देखा जा सकता है, जो एक स्ट्रेंथ–ट्रेनिंग एक्सरसाइज है और मुख्य रूप से पीठ के ऊपरी हिस्से और बाहों पर काम करती है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सीटेड केबल रो में एक स्थिर बैठी हुई स्थिति में रेजिस्टेंस हैंडल को शरीर की ओर खींचना शामिल है। सामंथा को केबल मशीन का इस्तेमाल करते हुए और कंट्रोल के साथ मूवमेंट करते हुए देखा जा सकता है, जिसमें उनका बढ़ता बेबी बंप भी दिख रहा है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, एक तरफ आखिर तक मजबूत और दूसरी तरफ प्लीज मुझे उठने के लिए मत कहो वाली भावना। यह पोस्ट तब आया है जब सामंथा अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक्टिव बनी हुई हैं। इससे पहले, उन्होंने अपने प्रीनेटल स्ट्रेंथ–ट्रेनिंग रूटीन की झलकियां शेयर की थीं और बताया था कि इस दौर में फिटनेस के प्रति उनका नजरिया कैसे बदला है। अपने पिछले वर्कआउट पोस्ट में से एक में, उन्होंने सीटेड केबल रो किया था और लिखा था, इन दिनों ट्रेनिंग थोड़ी अलग है। ज्यादा जोर लगाने के बजाय, शरीर की बात को बेहतर ढंग से समझने पर ज्यादा ध्यान है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा अभी अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं और उनके बच्चे का जन्म दिसंबर 2026 में होने वाला है। हाल ही में, सामंथा और राज ने कोयंबटूर में सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन में एक पारंपरिक बेबी शावर या सीमनथम भी मनाया। इस निजी समारोह में

> “
> वीडियो में सामंथा को सीटेड केबल रो करते हुए देखा जा सकता है, जो एक स्ट्रेंथ-ट्रेनिंग एक्सरसाइज है और मुख्य रूप से पीठ के ऊपरी हिस्से और बाहों पर काम करती है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सीटेड केबल रो में एक स्थिर बैठी हुई स्थिति में रेजिस्टेंस हैंडल को शरीर की ओर खींचना शामिल है।

श्रीविद्या परंपरा की रस्में शामिल थीं, जिसमें कला आवरण (श्री कल्पम) भी शामिल था, जिसके बारे में सामंथा ने इस मौके की तस्वीरें शेयर करते हुए विस्तार से बताया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि सामंथा और राज ने दिसंबर 2025 में कोयंबटूर में ईशा योग केंद्र के भीतर लिंग भैरवी मंदिर में शादी की थी।

‘पहला प्यार दूसरी बार’ के ट्रेलर ने खींचा कृति सेनन का ध्यान, नई स्टारकास्ट को दी शुभकामनाएं

युवा दर्शकों के बीच चर्चा में बनी फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस यूथ एंटरटेनर का हाल ही में मजेदार ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों के साथ–साथ बॉलीवुड सेलेब्स का भी प्यार मिल रहा है। अब एक्ट्रेस कृति सेनन ने फिल्म के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसकी नई स्टारकास्ट और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ‘पहला प्यार दूसरी बार’ का ट्रेलर शेयर किया। इसके साथ उन्होंने फिल्म की नई कास्ट की तारीफ करते हुए लिखा, “उनकी क्रेजी एनर्जी वाली इस रिफ्रेशिंग कास्ट को ढेर सारा प्यार और लक! ट्रेलर मजेदार लग रहा है।” कृति ने अपनी पोस्ट में फिल्म की कास्ट और डायरेक्टर अनुज सैनी को भी टैग किया। उनका यह पोस्ट सामने आने के बाद फिल्म की टीम के लिए यह सपोर्ट खास बन गया है। ‘पहला प्यार दूसरी बार’ में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के जरिए इन नए चेहरों को बड़े पर्दे पर अपनी पहचान बनाने का मौका मिल रहा है। वहीं अनुज सैनी इस फिल्म के साथ बतौर डायरेक्टर डेब्यू कर रहे हैं। ट्रेलर में युवाओं की जिंदगी, दोस्ती, रिश्तों, रोमांस, कन्फ्यूजन और ड्रामा की झलक देखने को मिलती है।

फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ को लव फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है। इसका निर्देशन अनुज सैनी ने किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गर्ग ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चा देखने को मिल रही है। अब दर्शकों को फिल्म की रिलीज का इंतजार है। ‘पहला प्यार दूसरी बार’ 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

महाकाव्य श्री रामायण कथा रिव्यू: भक्ति, भावनाओं और रिश्तों से सजी राम की अमर गाथा

रामायण भारतीय संस्कृति और आस्था का ऐसा हिस्सा है, जिससे लगभग हर पीढ़ी किसी न किसी रूप में जुड़ी रही है। इस कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करना इसलिए आसान काम नहीं है, क्योंकि दर्शक इसके किरदारों और घटनाओं से पहले से ही परिचित होते हैं। ऐसे में ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ की कोशिश कहानी को नया रूप देने के बजाय उसके भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्ष को सामने रखने की है। देव शर्मा, अंजलि अरोड़ा और राजनेश दुग्गल की दमदार मौजूदगी के साथ ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ आस्था, भावनाओं और रिश्तों की जानी–पहचानी कहानी को सरल और संवेदनशील अंदाज में पर्दे पर पेश करती है। फिल्म की कहानी भगवान श्री राम के जीवन और उनके संघर्षों के इर्द–गिर्द आगे बढ़ती है। अयोध्या से वनवास की यात्रा, सीता हरण, हनुमान का राम से जुड़ना, लंका की ओर बढ़ता संघर्ष और रावण के साथ निर्णायक युद्ध जैसे रामायण के प्रमुख प्रसंग कहानी का हिस्सा हैं। फिल्म की खास बात यह है कि यह इन घटनाओं को अनावश्यक रूप से खींचने की कोशिश नहीं करती। कहानी एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव तक अपेक्षाकृत सहज तरीके से पहुंचती है। इसमें युद्ध और संघर्ष के साथ–साथ परिवार, भाईचारे, प्रेम, त्याग और विश्वास को भी पर्याप्त जगह दी गई है। कहानी पहले से परिचित होने के बावजूद फिल्म इसे भावनात्मक जुड़ाव के साथ पेश करने की कोशिश करती है। हालांकि, जिन दर्शकों ने रामायण की अलग–अलग प्रस्तुतियां पहले देखी हैं, उनके लिए इसमें बहुत ज्यादा नया देखने को नहीं मिलता। फिर भी इसकी सरल प्रस्तुति और आस्था से जुड़ा भाव फिल्म को अपनी अलग पहचान देने की कोशिश करता है। अभिषेक सिंह ने फिल्म को जरूरत से ज्यादा प्रयोगात्मक बनाने के बजाय इसकी मूल भावना को प्राथमिकता दी है। निर्देशन में सबसे ज्यादा जोर कहानी के भावनात्मक और धार्मिक पक्ष पर दिखाई देता है। फिल्म के कई दृश्यों में भव्यता से ज्यादा माहौल और भावनाओं को महत्व दिया गया है। वनवास और विरह जैसे भावनात्मक प्रसंग हों या युद्ध की तैयारी और संघर्ष वाले दृश्य, बैकग्राउंड स्कोर कहानी के असर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। फिल्म का संगीत भी इसके आध्यात्मिक माहौल को मजबूत करता है। ‘सिया राम’, ‘राम जी की सेना’ और कैलाश खेर की आवाज में ‘हे हनुमान’ जैसे गाने कहानी के अलग–अलग भावों को उभारते हैं। शान, शाहिद मल्ल्या और वैशाली सामंत की आवाजें भी फिल्म के म्यूजिक एल्बम में सुनने को मिलती हैं। निर्देशन की एक खास बात फिल्म की रफ्तार है। इतनी विस्तृत कथा होने के बावजूद फिल्म घटनाओं को जरूरत से ज्यादा लंबा खींचने से बचती है। हालांकि, कुछ जगहों पर प्रस्तुति और ज्यादा प्रभावशाली हो सकती थी। अभिनय के मामले में देव शर्मा श्री राम के किरदार में संयम और गरिमा बनाए रखते हैं। उनके किरदार में शांति और धैर्य का भाव दिखाई देता है, जो श्री राम के व्यक्तित्व के अनुरूप बैठता है। अंजलि अरोड़ा ने माता सीता के रूप में सौम्यता के साथ भावनात्मक दृश्यों को निभाने की कोशिश की है। शील वर्मा लक्ष्मण के किरदार में भाई के प्रति समर्पण और भावनात्मक जुड़ाव को सामने लाते हैं। वहीं निर्भय वाधवा का हनुमान वाला किरदार फिल्म में ऊर्जा बढ़ाता है। उनके हिस्से के दृश्यों में जोश और भक्ति दोनों का मेल देखने को मिलता है। राजनेश दुग्गल रावण की भूमिका में फिल्म के नाटकीय पक्ष को मजबूती देते हैं। उनके किरदार में अहंकार और शक्ति का प्रभाव नजर आता है। खास तौर पर श्री राम और रावण के व्यक्तित्व के बीच का अंतर कहानी के संघर्ष को और स्पष्ट करता है।

6 महीने बाद कपिल शर्मा की वापसी, द ग्रेट इंडियन कपिल शो में होगी अजय देवगन की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पांचवें सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। शो की शुरुआत बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म दृश्यम द कन्क्लूजन की कास्ट के साथ होगी। 26 सितंबर को रात 8 बजे प्रसारित होने वाले इस सीजन के प्रीमियर एपिसोड में अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत, साथ ही डायरेक्टर अभिषेक पाठक, कपिल शर्मा के साथ हंसी–मजाक और खुलकर बातचीत करते नजर आएंगे। यह एपिसोड कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में अजय देवगन की वापसी का गवाह बनेगा, क्योंकि वह हिंदी दृश्यम फ्रैंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म की थिएटर रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इस एपिसोड में जयदीप अहलावत, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा की जोड़ी (सोना और मोना 2.0) के साथ डांस करते दिखेंगे, जबकि सुनील ग्रोवर अजय देवगन की मिमिक्री करके मजा बढ़ाएंगे। द ग्रेट इंडियन कपिल शो का सीजन 5 छह महीने के ब्रेक के बाद लौट रहा है। कपिल शर्मा की कॉमेडी टीम में सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू शामिल हैं। नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होंगे। इस बीच, अजय देवगन दृश्यम द कन्क्लूजन में विजय सलगांवकर के किरदार में वापसी कर रहे हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता भी है क्योंकि यह मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म दृश्यम 3 से अलग कहानी पर आधारित है। 9 सितंबर को गोवा में हुए ट्रेलर लॉन्च के दौरान, अभिषेक पाठक ने साफ किया कि यह हिंदी फिल्म पूरी तरह से अलग स्क्रिप्ट पर आधारित है, जिसे लगभग ढाई साल में तैयार किया गया है और यह मलयालम फिल्म की तीसरी कड़ी की कहानी पर आधारित नहीं है।

इस वजह से बच्चों को होती है पेशाब आने में दिक्कत, पैरेन्टस अजमाएं ये नुस्खा

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें खास देखभाल की जरुरत होती है क्योंकि उन्हें कुछ न कुछ समस्याएं होने लगती है। कभी बच्चों को ज्यादा पेशाब आने लगता है तो कभी उन्हें पेशाब आने में दिक्कत होती है। छोटे होने के कारण बच्चे परेशानी बता भी नहीं पाते लेकिन उनके शरीर में ऐसे कई संकेत दिखते हैं जिससे आप परेशानी को समझ सकते हैं। जैसे बच्चे ज्यादा पेशाब आने के कारण परेशान होते हैं वैसे ही वह कम पेशाब आने के कारण भी परेशान हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चों को पेशाब न आने के कारण क्या है और आप उनकी यह समस्या कैसे दूर कर सकते हैं.....

क्यों नहीं आता बच्चों को पेशाब?

पानी की कमी के कारण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी के कारण भी उन्हें पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। बच्चों को उल्टी, दस्त या किसी अन्य रोग में पानी की कमी होने पर भी यह समस्या उन्हें हो सकती है।

यूरिनेरी ट्रैक्ट में परेशानी होने के कारण

बच्चे के मूत्र मार्ग में रुकावट तब होती है जब उसकी किडनी से पेशाब बाहर नहीं आता। यह समस्या बच्चे की एक या फिर दोनों किडनियों को प्रभावित कर सकती है। इस समस्या में बच्चे को पेशाब न आने या फिर पेशाब बाहर आने में भी समस्या हो सकती है।

दवाई लेने के कारण

कई मालमों में यदि बच्चे पहले से ही दवाई ले रहे हो तो उसके प्रभावों के कारण भी बच्चों को पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर की दवाई, ड्यूरेटिक्स और एंटीइंफ्लेमेट्री दवाई के कारण उन्हें यह परेशानी हो सकती हैं।

हींग करें इस्तेमाल

बच्चों को पेशाब न आने पर आप कुछ घरेलू नुस्खे भी अपना सकते हैं। बच्चा दो साल से ज्यादा है और उसको ये परेशानी हो रही है तो इस स्थिति में आप उसकी नाभी पर भिगी हुई हींग को रुई की मदद के कुछ देर के लिए रख दें। ध्यान दें कि हींग का ज्यादा इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे भी कई तरह के नुकसान होते हैं थोड़ी सी हींग को रुई में लगाएं। इस उपाय को करने से उन्हें यदि आराम मिलेगा। यदि फिर भी बच्चे की समस्या दूर न हो तो एक बार डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

ब्रेकअप के बाद जिंदगी में छा गई है उदासी ? बुरे दौर में खुद को ऐसे दें सहारा

रिश्ता टूटने का दौर बुरा होता है। इस दौरान उदास, दुखी और खुद को खोया हुआ महसूस करना स्वाभाविक है। रिश्ता चाहे अच्छे मोड़ पर खत्म हुआ हो या फिर बुरे पर पल भर में इससे उबरना मुश्किल होता है। रिश्ते में रहने के दौरान आपका पार्टनर आपके डेली रूटीन का हिस्सा बन जाता है। ब्रेकअप के बाद इस रूटीन को बदलने में समय लगता है। इस दौरान आप पार्टनर की कमी महसूस करते हैं और ये खालीपन आपको उदास कर देता है। रिश्ते के टूट जाने को स्वीकार करना जरुरी है तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। थेरेपिस्ट जॉर्डन ग्रीन कहते हैं कि ब्रेकअप सिर्फ एक अंत नहीं है, वे एक नई शुरुआत हैं। वे आपको उस सारे प्यार और ऊर्जा को पुनर्निर्देशित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं जो आप दूसरे व्यक्ति में डाल रहे थे, सभी के सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते में वापस, वह रिश्ता जो आपके साथ है। अगर आपके लिए भी ब्रेकअप से उबरना मुश्किल हो रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसी टिप्स लेकर आए हैं, जो इस बुरे दौर में खुद को सहारा देने के आपके काम आएगी।

दुख को बाहर निकलने दें– ब्रेकअप के बाद खुद को संभालना मुश्किल होता है। इस दौरान एक साथ कई तरह की भावनाएं आप पर हावी हो जाती है। इन भावनाओं को बाहर निकलने दें। रोने का मन कर रहा है तो खुद को रोकने की कोशिश न करें। खुद को हर तरह के दुख और दर्द को महसूस करने दें ताकि बाद में ये आपको कमजोर न कर सकें।

परिवार/दोस्तों की मदद लें– ब्रेकअप के बाद खुद को अकेले नहीं संभाल पा रहे हैं तो अपने करीबी लोगों की मदद लेने से पीछे न हटें। परिवार या दोस्त जिससे भी बात कर के आपके दिल को शांति मिलती है, उन सभी से बात करें। दोस्तों और परिवार वालों से बात करना आपके लिए एक थेरेपी की तरह काम करेगा और आपको ब्रेकअप के बुरे दौर से निकलने में आसानी होगी।

खुद पर ध्यान दें– ब्रेकअप के बाद आपका सारा समय आपका है। इसलिए इस समय को सिर्फ और सिर्फ खुद पर खर्च करें। आपको जो चीजें पसंद है वो करने पर ध्यान दें। बाहर जाएं, मूवी देखें, पार्क में घूमें, जो आपके दिल को खुशी दे वो काम करें। ये सब चीजें ब्रेकअप के दुख को कम करेंगी और आपको आगे बढ़ने का हौसला देगी।

बार-बार खट्टी डकार आने के कारण हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बढ़ता तनाव और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। ओवरइटिंग, ज्यादा मसालेदार खाना खाने, समय पर न खाने और ज्यादा टेंशन लेने से भी अक्सर लोगों को बदहजमी की शिकायत होने लगती है। इसके अलावा भोजन भी अच्छी तरह से पच न पाने के कारण भी लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है और खट्टी डकार आने लगते हैं जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर बदहजमी की समस्या से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में.....

मेथी

यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप मेथी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेथी को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका पानी पीएं। इससे खट्टी डकार की समस्या से राहत मिलेगी। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको फर्क नजर आने लगेगा।

लौंग

इसका सेवन करने से भी पाचन तंत्र एकदम स्वस्थ रहता है। यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप लौंग का पानी या फिर लौंग का सेवन करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

इलायची

खट्टी डकार की समस्या में इलायची का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका सेवन करने से गैस और खट्टी डकार जैसी समस्या में आराम मिलेगा।

हींग

बदहजमी से राहत पाने के लिए हींग भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गैस या फिर खट्टी डकार में हींग का सेवन करने से आपको फायदा होगा। हींग को पानी में घोटकर पीएं। इससे पेट का भारीपन और खट्टी डकार की समस्या दूर होगी।

जीरा

जीरा भी पेट की समस्याओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खट्टी डकार, गैस या बदहजमी होने पर जीरे को भूनकर इसका सेवन करें। भूनकर इसके बाद इसे पीसकर पानी में डालकर पीने से भी बदहजमी की समस्या में राहत मिलेगी।

दिल्ली के आसपास मौजूद ये जगहें हैं बेहद खूबसूरत, इस वीकेंड जरूर बनाएं घूमने का प्लान

आज हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही यह ट्रिप बजट फ्रेंडली होने वाली है। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में।

दिमाग को शांत रखने के लिए घूमने से अच्छा और कोई ऑप्शन नहीं हो सकता है। क्योंकि ट्रेवलिंग सिर्फ 2 मिनट की हो, या फिर 2 घंटे की दूरी का। लेकिन यह अक्सर हमारे मन को खुशी देने का काम करती है। ऐसे में अगर आप भी बोरियत को खत्म करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और साथ ही बजट फ्रेंडली ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

दिल्ली से आगरा

आगरा शहर दुनिया की एक ऐसी जगह है, जहां पर न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी पर्टयक भी भारी संख्या में पहुंचते हैं। आगरा में दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल के दीदार के लिए यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। ताजमहल को प्यार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस वीकेंड आगरा का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आपको बता दें कि दिल्ली से आगरा ट्रिप के लिए आपके पास 5 हजार रुपए खर्च होंगे। दिल्ली से आगरा की दूरी 233 किमी है।

दिल्ली से जिम कॉर्बेट

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क वीकेंड गेटवे में से एक है। यहां पर आपको करीब 5 हजार से अधिक पक्षियों की प्रजातियां और स्तनधारियों की 50 प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही अगर यहां पर खाने, रहने, ट्रांसपोर्ट, एंट्री चार्जेस आदि की बात करें, तो आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति पर 4000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दिल्ली से जिम कॉर्बेट की दूरी 246 किमी है।

दिल्ली से उदयपुर

उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों, नजारों और आकर्षक संरचनाओं के लिए फेमस है। यहां पर आप जमकर खरीददारी भी कर सकते हैं। उदयपुर में सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है। दिल्ली से उदयपुर की दूरी 633 किमी है। यहां पर आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए देने होंगे।

दिल्ली से मैक्लोडगंज

हिमाचल के कांगड़ा जिले में मैक्लोडगंज या लिटिल ल्हासा स्थित है। मैक्लोडगंज प्रकृति से घिरा होने के साथ ही तिब्बती रंग रूप से लदा हुआ है। बता दें कि यह दिल्ली के सबसे अच्छे वीकेंड गेटवे में से एक है। आपकी यह ट्रिप भी बजट फ्रेंडली होने वाली हैं। यहां पर आप तिब्बती कार्य पुस्तकालय, तिब्बती आर्ट कल्चर संस्थान, स्थानीय कैफे और मैक्लोडगंज का मठ में तिब्बती संस्कृति की झलक देख सकते हैं। दिल्ली से मैक्लोडगंज की दूरी 488 किमी है।

दिल्ली से ऋषिकेश

ऋषिकेश एक आध्यात्मिक और बेहद खूबसूरत शहर है। यहां पर लोग एडवेंचर का लुत्फ उठाते हैं। ऐसे में आप भी ऋषिकेष में कैंपिंग और राफ्टिंग से लेकर बंजी तक का आनंद ले सकते हैं। एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह बेस्ट है। दिल्ली से ऋषिकेश तक जाने की दूरी 242 किमी है।

संक्षिप्त

संशोधित Model BIT को जल्द मिलेगी कैबिनेट की मंजूरी, मसौदा नोट तैयार

नयी दिल्ली। नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए कैबिनेट सचिवालय को मसौदा नोट भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार द्विपक्षीय निवेश संधि का संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। मौजूदा मॉडल बीआईटी को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2015 में मंजूरी दी थी। सूत्रों ने कहा कि नए मॉडल बीआईटी को तैयार करते समय कुछ ऐसी लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं, जिनसे सरकार कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। सूत्रों ने बताया, कर से संबंधित कोई भी प्रावधान इस ढांचे का हिस्सा नहीं होगा क्योंकि हम कराधान पर अपने संप्रभु अधिकार को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इसके साथ ही, स्थानीय कानूनी प्रावधान भी इसका हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि सरकार न्यायपालिका को द्विपक्षीय निवेश संधि के दायरे से बाहर रखना चाहती है। द्विपक्षीय निवेश संधि दो देशों के बीच एक ऐसा समझौता है, जिसका उद्देश्य एक–दूसरे के क्षेत्र में अपने निवेशकों द्वारा किए गए निवेश को बढ़ावा देना और उसकी रक्षा करना है। निवेश संरक्षण संधियों के तहत निवेशक किसी संप्रभु सरकार को मध्यस्थता में ले जा सकते हैं। भारत से विदेश में होने वाले प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) में वृद्धि के साथ, यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि विदेशों में निवेश करने वाले घरेलू निवेशकों और कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा मिले। मौजूदा ढांचे के तहत विदेशी निवेशकों को भारत के खिलाफ संधि–आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है। इसका अर्थ यह है कि अगर किसी विदेशी निवेशक का भारत के साथ कोई विवाद होता है, तो उसे समझौते के तहत दावा पेश करने से पहले पांच वर्षों तक घरेलू कानूनी उपायों का सहारा लेना होगा। पिछले कुछ वर्षों में इस पांच साल की अवधि का विरोध बढ़ा है और कई पक्ष इसे कम करने की मांग कर रहे हैं। हाल के वर्षों में भारत ने इजराइल, उज्बेकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ द्विपक्षीय निवेश संधियों पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत अब तक कुल मिलाकर लगभग 90 द्विपक्षीय निवेश समझौते कर चुका है। सरकार ने 2025–26 के बजट में मौजूदा ढांचे में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था, टिकाऊ विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने और फर्स्ट डेवलप इंडिया (पहले भारत का विकास) की भावना के तहत, मौजूदा मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि में संशोधन किया जाएगा और इसे अधिक निवेशक–अनुकूल बनाया जाएगा। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित 4–5 देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि पर बातचीत कर रहा है।

India GDP Growth पर बढ़ा भरोसा S-P ने वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 7 Percent किया

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की बड़ी रेटिंग एजेंसियों का भरोसा एक बार फिर बढ़ा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है, इसके बावजूद भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर रफ्तार दिखा रही है। इसी वजह से एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स, फिच रेटिंग्स और मूडीज ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर वैश्विक संस्थानों का भरोसा लगातार मजबूत होता दिख रहा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, फिच रेटिंग्स ने भी अपना अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले मूडीज ने भी पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया था। इतना ही नहीं, जेपी मॉर्गन चेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेमी डिमॉन ने भी भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बताया और देश की आर्थिक संभावनाओं को काफी अच्छा बताया है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वैश्विक संस्थानों का भारत पर भरोसा अचानक क्यों बढ़ा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इसकी सबसे बड़ी वजह उम्मीद से बेहतर घरेलू आर्थिक प्रदर्शन है। अप्रैल से जून की तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह आंकड़ा कई अर्थशास्त्रियों और वैश्विक संस्थानों के अनुमान से बेहतर रहा। इसी मजबूत प्रदर्शन के बाद रेटिंग एजेंसियों ने पूरे वित्त वर्ष के लिए अपने अनुमान में बदलाव किया है। एसएंडपी के मुताबिक जून तिमाही की वृद्धि को औद्योगिक गतिविधियों, मजबूत घरेलू खपत, वस्तुओं के निर्यात और सरकारी निवेश में तेजी से सहारा मिला। यानी अर्थव्यवस्था की रफ्तार किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं रही। फिच ने भी बेहतर तिमाही वृद्धि को अपने अनुमान में बदलाव की प्रमुख वजह बताया। एजेंसी के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में अमेरिका–ईरान संघर्ष से पैदा हुए झटकों और व्यापार की शर्तों में बदलाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती बनाए रखी। गौरतलब है कि भारत की आर्थिक तस्वीर में घरेलू खपत की बड़ी भूमिका है। कई बड़ी एशियाई मैन्युफैक्चरिंग अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की वृद्धि विदेशी मांग पर कम निर्भर है। ऐसे में दुनिया में व्यापारिक तनाव या भू–राजनीतिक घटनाओं के बीच घरेलू बाजार अर्थव्यवस्था को सहारा देता है। एसएंडपी ने भी मजबूत खपत को वृद्धि अनुमान बढ़ाने की प्रमुख वजहों में शामिल किया है। नोमुरा के हालिया विश्लेषण में भी घरेलू मांग, खासकर लोगों की खपत को भारत की अर्थव्यवस्था का अहम सहारा बताया गया है। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर घरेलू ईंधन कीमतों पर सीमित रहने और महंगाई के सामान्य स्तर पर रहने से लोगों की खरीद क्षमता को भी कुछ राहत मिली है। इससे वाहन, मकान, यात्रा, वित्तीय सेवाओं और रोजमर्रा की वस्तुओं की मांग को सहारा मिलता है। दूसरा बड़ा सहारा निवेश है।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर, नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया, 16 गेंद पहले जीता मैच

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान की पारी

मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले।

नेपाल की पारी

103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरुआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई। पौडेल 32 गेंद में चार चौके की मदद से 33 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से फरीदून दावुदजई, अहमदजई और गुल मोमंद को एक–एक विकेट मिला।

अब क्या हैं समीकरण?

अफगानिस्तान ने लीग चरण में अपने दो मुकाबलों में एक जीत और एक हार दर्ज की है। उसके पास अब कोई मैच बाकी नहीं है, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह तीन टीमों वाले ग्रुप ए की तालिका में शीर्ष पर है। नेपाल ने अपना पहला मैच जीत लिया है और अब वह अपने आखिरी लीग मुकाबले में बिना जीत वाली जापान की टीम से खेलेगा। लीग चरण में प्रत्येक टीम को केवल दो मैच खेलने हैं और हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। नेपाल अगर जापान को हरा देता है तो वह इस ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जाएगा। भारत का सामना ग्रुप–ए में ही दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से क्वार्टर फाइनल में होगा। यह मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा।

मार्को जानसेन ने रचा इतिहास! ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन से हासिल की अनोखी उपलब्धि

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 50 ओवरों में 297 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में, लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 230 रनों पर ही ढेर हो गई। हालाँकि मैच में कई खिलाड़ियों ने अपना योगदान दिया, लेकिन स्टार ऑलराउंडर मार्को जानसेन का हरफनमौला प्रदर्शन इस मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण रहा।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी वनडे सीरीज़ की शुरुआत दक्षिण अफ़्रीकी टीम के लिए बेहद शानदार रही। 24 सितंबर को डरबन के ऐतिहासिक शकिंग्समीडश मैदान पर खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 67 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही प्रोटियाज़ टीम ने सीरीज़ में 1–0 की बढ़त बना ली है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 50 ओवरों में 297 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में, लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 230 रनों पर ही ढेर हो गई। हालाँकि मैच में कई खिलाड़ियों ने अपना योगदान दिया, लेकिन स्टार ऑलराउंडर मार्को जानसेन का हरफनमौला प्रदर्शन इस मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण रहा। मिडल ऑर्डर में बल्लेबाज़ी करते हुए, जानसेन ने मैच की पहली पारी में 59 गेंदों पर 75 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने गेंदबाज़ी में भी प्रभावित किया; दूसरी पारी में सात ओवर फेंकते हुए जानसेन ने 64 रन दिए और एक विकेट भी लिया। मैच के बाद, जानसेन उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने एक वनडे मैच में 50 से ज़्यादा रन, 1 से ज़्यादा विकेट और 4 से ज़्यादा कैच लिए हैं; इस सूची में मार्नस लाबुशेन, यूनिस खान, सचिन तेंदुलकर, माइकल क्लार्क और कई अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

डरबन में दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद टेम्बा बावुमा ने बात की

मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की शानदार जीत के बाद, टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टीम के प्रदर्शन के बारे में बात की; उन्होंने

बल्लेबाज़ी में अपनी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ़ की। बावुमा ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, ष्मैं बहुत खुश हूँ। बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों ने अच्छा खेल दिखाया। दोनों पारियों के शुरुआती दस ओवरों में हम दबाव में थे, लेकिन हमने उसे संभाल लिया। बल्लेबाजी में हमने उस पिच पर एक अच्छा स्कोर बनाया और गेंदबाजी में भी वैसा ही किया। शुरुआती दस ओवरों के बाद फिर से दबाव बना, लेकिन हम डटे रहे और आखिरकार मैच जीतने में कामयाब रहे।

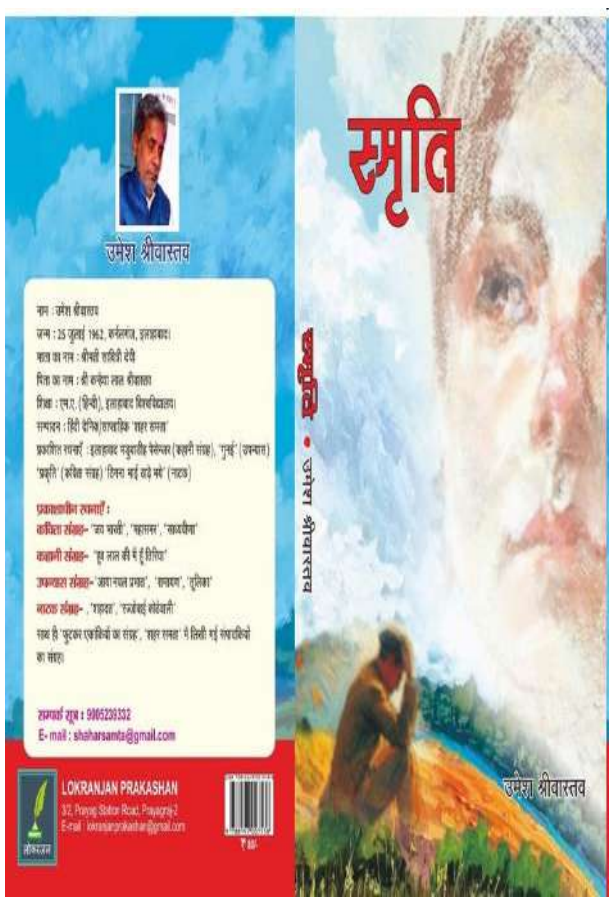

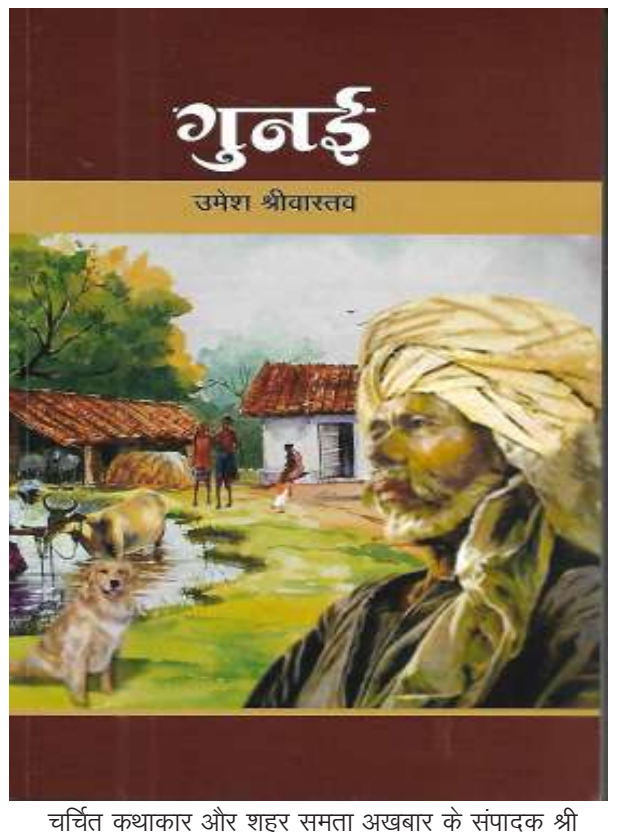

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

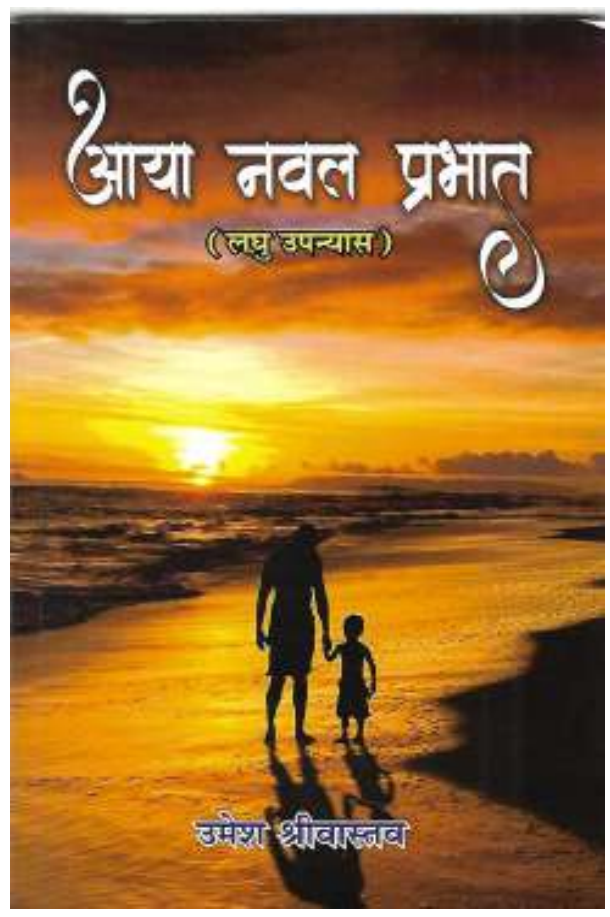

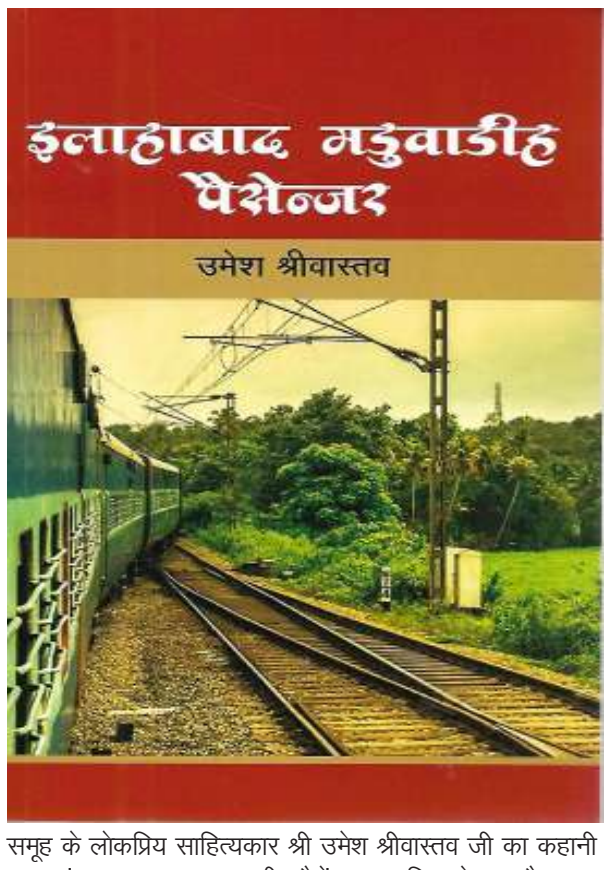

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

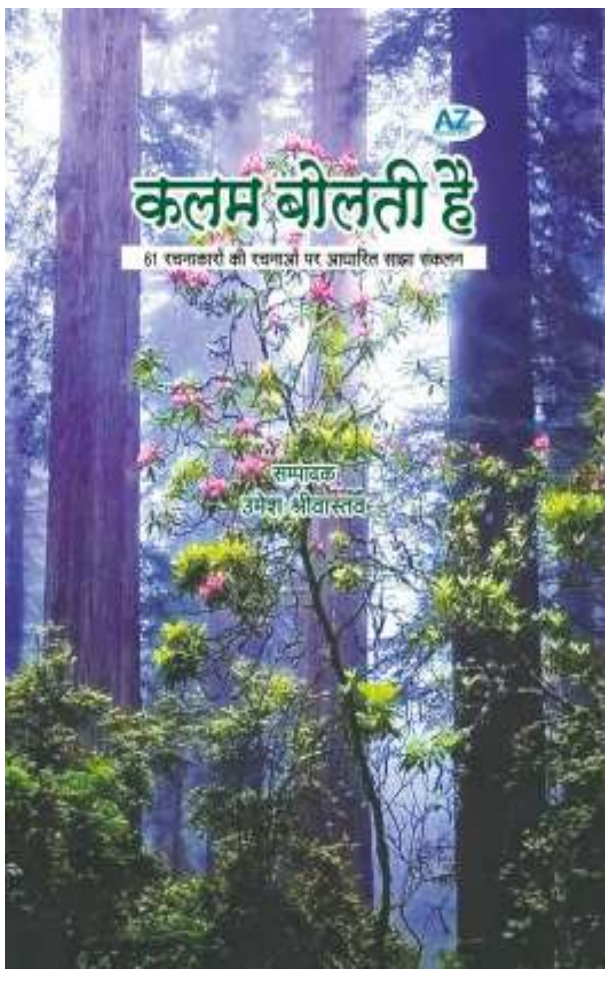

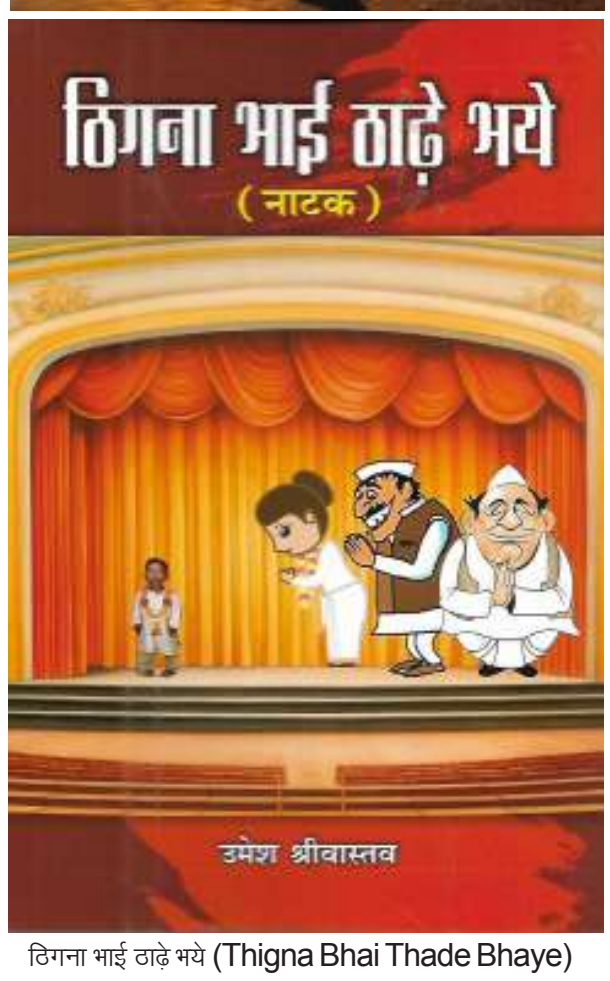

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

फेडरल जज के आदेश के बाद व्हाइट हाउस में CNN और MS Now पत्रकारों की वापसी

अमेरिकी संघीय न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तीन समाचार संस्थानों के व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आदेश दिए जाने के कुछ घंटे बाद इनमें से दो संस्थानों के संवाददाताओं को वहां जाने की अनुमति दे दी गई। बृहस्पतिवार दोपहर सीएनएन और एमएस नाउ के पत्रकारों को व्हाइट हाउस में फिर प्रवेश मिल गया। सुबह उन्हें वहां प्रवेश से रोक दिया गया था। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के

उस फैसले पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसके तहत तीन मीडिया प्रतिष्ठानों – सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) परिसर में आने से रोक दिया गया था। हालांकि, तीनों संस्थानों के संवाददाताओं ने कहा था कि आदेश के कुछ घंटे बाद भी उन्हें प्रवेश से रोका गया। समाचार संस्थानों ने अदालत में अर्जी देकर व्हाइट हाउस परिसर में अपने ऊपर अब भी लगे हुए प्रतिबंध के मुद्दे पर तुरंत सुनवाई का अनुरोध किया। इसमें कहा गया कि 'सीक्रेट सर्विस' के एक एजेंट ने पत्रकारों के पहचान–पत्र जब्त कर लिए। ट्रंप और उन मीडिया संस्थानों के बीच खींचतान का यह ताजा मामला है, जिनकी कवरेज राष्ट्रपति को पसंद नहीं है।

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप और शी चिनफिंग की द्विपक्षीय वार्ता, संबंधों को मजबूत करने पर बनी सहमति

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग के साथ दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और कहा कि अमेरिका और चीन के संबंध इससे बेहतर कभी नहीं रहे। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में शी चिनफिंग का भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्हें सैन्य सम्मान दिया गया और लड़ाकू विमानों ने फ्लाईपास्ट किया। इसके बाद 'ओवल ऑफिस' (व्हाइट हाउस में स्थित राष्ट्रपति कार्यालय) में दोनों नेताओं के बीच दो घंटे से अधिक समय तक बैठक हुई। बाद में 'व्हाइट हाउस' के 'ईस्ट रूम' में राजकीय रात्रिभोज आयोजित किया गया जिसमें ट्रंप और शी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। ट्रंप ने कहा, "अमेरिका और चीन के लोग हमेशा से वस्तुओं, ज्ञान, परंपराओं और विचारों का आदान–प्रदान करते रहे हैं। यही हमारे देशों के बीच व्यापार और आपसी सम्मान की नींव रहा है। हम मिलकर ऐसा संबंध आगे भी बना सकते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और सुरक्षा को बढ़ावा दे।" शी चिनफिंग ने अपने संबोधन में कहा कि चीन–अमेरिका संबंध एक और ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, "आज मैंने एवं राष्ट्रपति ट्रंप ने गहन विचार–विमर्श किया और कई मुद्दों पर साझा समझ कायम की। इससे रचनात्मक चीन–अमेरिका संबंधों में रणनीतिक स्थिरता के नए तत्व जुड़े हैं और दोनों देशों के संबंधों को नयी रणनीतिक दिशा मिली है।" दोनों नेताओं ने अमेरिका और चीन के ऐतिहासिक संबंधों का भी उल्लेख किया। ट्रंप ने 158 वर्ष पहले पहले चीनी राजनयिकों के बोस्टन पहुंचने का भी जिक्र किया। इसके जवाब में शी ने जॉर्ज वॉशिंगटन के चीनी–मिट्टी के बर्तनों के विशाल संग्रह और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दोनों देशों के बीच हुए सहयोग का उल्लेख किया।

आप हाफ़िज़ सईद पर मुक़दमा कब चलाएंगे? संयुक्त राष्ट्र में शहबाज़ शरीफ़ पर दागे गए तीखे सवाल

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुँचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उस समय बेहद असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब पत्रकारों ने उनसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और लश्कर–ए–तैयबा (स्मज) प्रमुख हाफ़िज़ सईद को लेकर सीधे और तीखे सवाल दाग दिए। गुरुवार को जब शहबाज़ शरीफ़ संयुक्त राष्ट्र (न्छ) मुख्यालय में दाख़िल हो रहे थे, तब पत्रकारों ने उनसे पूछा, प्रधानमंत्री, आप आतंकवादियों को पनाह देना कब बंद करेंगे? इस सवाल पर शरीफ़ बिना कोई जवाब दिए चुप्पी साधकर परिसर के भीतर चले गए। बात यहीं ख़त्म नहीं हुई। न्छ मुख्यालय से बाहर निकलते समय एक पत्रकार ने उनसे दूसरा तीखा सवाल किया, ष्आप लश्कर–ए–तैयबा प्रमुख हाफ़िज़ सईद पर मुक़दमा कब चलाएंगे?ष इस सवाल पर भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने पूरी तरह ख़ामोश रहना ही मुनासिब समझा और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गए। यूएन मुख्यालय से निकलते समय पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को एक और सीधे सवाल का सामना करना पड़ा। एक पत्रकार ने पूछा, आप लश्कर–ए–तैयबा प्रमुख हाफ़िज़ सईद पर मुक़दमा कब चलाएंगे? शरीफ़ ने फिर से जवाब न देने का फ़ैसला किया। बिना जवाब वाले इन दो सवालों ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के रिकॉर्ड से जुड़े सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक पर ध्यान केंद्रित किया, खासकर हाफ़िज़ सईद के मामले में, जिसे भारत लंबे समय से चाहता रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अमेरिका को 2 पांडा गिफ्ट करेंगे जिनपिंग, दोनों बनेंगे दोस्ती के दूत, प्यारा सा दिखने वाला जानवर पिघलाएगा रिश्तों में जमी बर्फ

अमेरिका दौरे के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक दांव चला है। शी जिनपिंग ने अमेरिकी जनता के लिए दोस्ती के दूत के रूप में दो विशाल पांडा उपहार में देने का ऐलान किया। शी जिनपिंग ने घोषणा करते हुए कहा दो पांडा, पिंग पिंग और फुचुआन, जल्द ही अटलांटा चिड़ियाघर पहुंचेंगे और अमेरिकी जनता से रूबरू होंगे। यह विशाल पांडा चीनी और अमेरिकी लोगों के बीच दोस्ती और आपसी विश्वास के सच्चे दूत साबित होंगे। तनावपूर्ण रिश्तों के बीच चीन का यह कदम एक बार फिर पुरानी पांडा डिप्लोमेसी को जीवित कर दोनों महाशक्तियों के बीच गर्मजोशी लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

ये दो पांडा अटलांटा जू को तोहफ़े में दिए जाएँगे

अप्रैल में चाइना वाइल्डलाइफ़ कंजर्वेशन एसोसिएशन और अटलांटा जू के बीच हुए नए रिसर्च एग्रीमेंट के तहत ये दो पांडा अटलांटा जू को तोहफ़े में दिए जाएँगे। इस एग्रीमेंट के तहत, ब्ब्। चेंगदू रिसर्च बेस ऑफ़ जाइंट पांडा ब्रीडिंग से नर पांडा पिंग पिंग और मादा पांडा फू शुआंग को भेजेगा। हालाँकि, पिंग पिंग और फू शुआंग अटलांटा कब पहुँचेंगे, यह अभी पता नहीं है।

क्या है पांडा डिप्लोमेसी

पांडा दक्षिण मध्य चीन में पाया जाने वाला भालू प्रजाति का एक जानवर है ये तो आप सभी जानते हैं। ये पांडा चूकिं चीन में ही पाया जाता है। इसलिए चीन के राष्ट्र की पहचान भी कहा जाता है। जिन देशों के साथ चीन के अच्छे संबंध होते हैं। अथवा जिन देशों के साथ चीन अपने संबंधों को सुधारना चाहता है तो उसे उपाहार के तौर पर पांडा ही भेंट करता है। इससे पता चलता है कि चीन इन देशों के साथ अपने संबंध को महत्ता दे रहा है। इसे ही चीन की पांडा कूटनीति कहते हैं। चीन ने 1957 में यूएसएसआर को अपना पहला पांडा पिंग पिंग गिफ्ट के तौर पर दिया था।

निक्सन और माओ की मुलाकात और गिफ्ट में 2 पांडा

1972 में जब अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन पहली बार अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर चीन गए थे तो चीन ने उन्हें दो पांडे ही भेंट किए थे। इस यात्रा के बाद से ही चीन और अमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ था। इसी के चलते चीन ने ब्रिटेन, जापान और अन्य देशों को भी पांडा भेंट किया था। ताकी इन देशों के साथ उसके संबंध आगे मजबूत हो सके। चीन के बारे में कहा जाता है कि वो हर चीज में कारोबार और मुनाफा देखता है। दुनिया के कई देशों को चीन ने उनके चिड़ियाघरों में रखने के लिए लोन पर पांडा दिए हैं और इसे दोस्ती का नाम दिया।

पांडा के बदले 1 मिलियम की राशि देनी पड़ती है

1972 में जब निक्सन और माओ की मुलाकात के बाद पांडा डिप्लोमेसी शुरू हुई तो न्यूयॉर्क टाइम्स ने इसे नम्रता से लड़ी जाने वाली जंग यानी पोलाइट वॉरफेयर कहा था। चीन ये जानवर अमेरिका और दूसरे देशों को सालान किराए पर देता है। चीन ने साल 1941 से लेकर 1984 तक दूसरे देशों को पांडा गिफ्ट किए। लेकिन 1984 के बाद इस नीति में बदलाव करते हुए वो दूसरे देशों में आने वाले पांडा पर ट्रैक्स लगाना शुरू कर दिया। चीन जिन देशों को पांडा देता है उन्हें हर साल चीन को 1 पांडा के बदले 1 मिलियम की राशि देनी पड़ती है। संरक्षण परियोजनाओं की तरफ से दिए जाते हैं।

मीटिंग के दौरान ट्रंप और जिनपिंग ने ये बातें कहीं

दिन में हुई मीटिंग के दौरान, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से कहीं बेहतर हैं। उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ दोनों देशों के आपसी संबंधों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर ऐसे रिश्ते बना सकते हैं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए खुशहाली और सुरक्षा को बढ़ावा दें। अपनी बात रखते हुए शी ने कहा कि चीन–अमेरिका संबंध एक और ऐतिहासिक मोड़ पर आ गए हैं। उन्होंने कहा आज राष्ट्रपति ट्रंप और मैंने ईमानदारी और गहराई से बातचीत की और कई मुद्दों पर आम सहमति बनाई। इससे रणनीतिक स्थिरता वाले चीन–अमेरिका के रचनात्मक संबंधों को नई मजबूती मिली है और चीन–अमेरिका संबंधों को नई रणनीतिक दिशा मिली है। ट्रंप और शी ने अमेरिका और चीन के बीच ऐतिहासिक संबंधों का ज़िक्र किया। ट्रंप ने 158 साल पहले बोस्टन में आए पहले चीनी राजनयिकों की यात्रा को याद किया। इसके जवाब में शी ने जॉर्ज वॉशिंगटन के पास मौजूद चीनी पोर्सिलेन (चीनी मिट्टी के बर्तनों) के बड़े संग्रह और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान दोनों देशों के बीच हुए सहयोग को याद किया।

यूएनजीए में वॉकआउट का ड्रामा!

बेंजामिन नेतन्याहू का भाषण शुरू होते ही खाली हुआ हॉल, इजराइली पीएम बोले– निकलो यहाँ से नैतिक कायरों!

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में उस समय भारी कूटनीतिक हंगामा देखने को मिला, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मंच पर पहुंचते ही कई देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने हॉल से वॉकआउट कर दिया। गाजा में जारी सैन्य कार्रवाई और इजराइल की अंतरराष्ट्रीय आलोचना के विरोध में हुए इस नाटकीय घटनाक्रम के बीच नेतन्याहू ने तीखा पलटवार किया। यह नाटकीय वॉकआउट इज़राइल की सैन्य कार्रवाई और गाज़ा में जारी संघर्ष को लेकर हो रही कड़ी अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बीच हुआ। जैसे ही अधिकारी हॉल से बाहर निकले, नेतन्याहू ने उन प्रतिनिधियों को कड़ा जवाब दिया। जो लोग वहां रुके हुए थे, उनकी ओर मुड़कर उन्होंने कहा, ष्अपना भाषण शुरू करने से पहले, बस एक छोटी सी घोषणारू अगर कोई और श्नैतिक रूप से कायरश व्यक्ति है जिसने अभी तक यह हॉल नहीं छोड़ा है, तो कृपया अभी ऐसा कर लें। बहुत–बहुत धन्यवाद। इसके बाद उनका भाषण इज़राइल की कार्रवाई का ज़ोरदार बचाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के खिलाफ हो रही आलोचना का सीधा जवाब बन गया। नेतन्याहू ने न्छ के मंच का इस्तेमाल यहूदी–विरोधी भावना (एंटी–सेमिटिज्म) के बढ़ते मामलों पर बात करने के लिए भी किया और दुनिया भर के यहूदियों से खतरों का सामना करते हुए आत्मविश्वास बनाए

रखने का आह्वान किया।

नेतन्याहू ने यहूदियों से शिर ऊंचा रखनेश का आग्रह किया

नेतन्याहू ने कहा कि यहूदियों को धमकियों से डरना नहीं चाहिए और उनसे अपने हक के लिए खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने उन लोगों से भी इज़राइल का साथ देने को कहा जो उनके अनुसार सच्चाई और न्याय का समर्थन करते हैं, ताकि उन ताकतों का मुकाबला किया जा सके जो उनकी साझा सभ्यता के लिए खतरा बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, ष्दुनिया के यहूदी–विरोधी लोग हमारे लोगों को डराना चाहते हैं। मेरे पास उनके लिए एक खबर हैः वे दिन जब यहूदी असहाय पीड़ित होते थे और उन्हें कत्लगाह तक ले जाया जाता था, वे दिन अब बीत चुके हैं। आज, हमारे पास अपना देश है। आज, हमारे पास अपनी सेना है। आज, हमारे पास ऐसे लोग हैं जो अपनी रक्षा करने के लिए तैयार और तत्पर हैं। आज दुनिया भर के यहूदियों के लिए मेरा एक ही संदेश हैः अपना सिर ऊंचा रखें, गर्व करें, आत्मविश्वास रखें, डरें नहीं। डटकर खड़े हों। बाकी सभी लोग जो सच्चाई और न्याय की रक्षा करना चाहते हैं, वे उन बर्बर लोगों का सामना करने में हमारे साथ आएं जो हमारी साझा सभ्यता को खतरे में डाल रहे हैं। नेतन्याहू की ये बातें ऐसे समय में सामने आईं जब इज़राइल को गाज़ा में अपने कामकाज को लेकर बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इज़राइल ने नरसंहार के आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उसके सैन्य अभियानों का मकसद हमास है।

नेतन्याहू ने ट्रंप की तारीफ़ की

अपने भाषण के दौरान, नेतन्याहू ने इज़राइल के लिए समर्थन देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने इज़राइल, अमेरिका और पूरी दुनिया के सामने मौजूद खतरों का मिलकर सामना किया है। नेतन्याहू ने ट्रंप को एक मज़बूत साथी बताया और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में उनकी साहसी लीडरशिप के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। नेतन्याहू ने कहा, ष्बर्बर लोगों के ख़िलाफ़ इस लड़ाई में, राष्ट्रपति ट्रंप से बेहतर हमारा कोई साथी नहीं रहा है। मैं उनकी साहसी लीडरशिप के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हूँ। उन्होंने अमेरिका, इज़राइल और दुनिया के लिए एक बहुत बड़े खतरे का बहादुरी से सामना किया... इज़राइल और अमेरिका ने न सिर्फ़ अपनी सुरक्षा के लिए, बल्कि सभ्यता को बचाने के लिए भी मिलकर काम किया।

नेतन्याहू ने ज़ोहरान ममदानी पर सीधा निशाना साधा

नेतन्याहू के भाषण का एक बड़ा हिस्सा न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान ममदानी पर केंद्रित था, जो इज़राइली प्रधानमंत्री के मुखर आलोचक रहे हैं। नेतन्याहू ने आरोप लगाया कि ममदानी के चुने जाने के बाद न्यूयॉर्क में रहने वाले यहूदी लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मेयर पर ऐसे लोगों और विचारों से जुड़े होने का भी आरोप लगाया, जिन्हें नेतन्याहू ने इज़राइल और यहूदी समुदायों के प्रति शत्रुतापूर्ण बताया। उन्होंने आगे कहा, ष्मिस्टर ममदानी, जब से आप इस शहर के मेयर चुने गए हैं, न्यूयॉर्क में कई यहूदी अब सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। वे मुझसे बात करते हैं। वे मुझसे कहते हैं, श्यह वह शहर नहीं है जिसे हम जानते थे। यह बहुत तेज़ी से बदल गया है। आप हमास का समर्थन करने के दोषी अपराधियों की तारीफ़ करते हैं।

सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमले, सेना ने नाकाम की छह मिसाइलें

सऊदी अरब के लाल सागर स्थित यान्बू बंदरगाह और दक्षिण–पश्चिमी शहर ताइफ को निशाना बनाकर दागी गई छह बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक दिया गया है। सऊदी सेना के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी सऊदी की सेना ने इस हमले के लिए पड़ोसी यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया। बाद में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिण–पश्चिमी जजान प्रांत पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागने का दावा किया। हाल के दिनों में हूतियों पर सऊदी अरब की राजधानी रियाद समेत अन्य इलाकों को निशाना बनाकर हमले की कोशिश करने के आरोप लगे हैं। हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल–मलिकी का बयान सऊदी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों की ओर से जारी चेतावनियों के बाद आया। अधिकारियों ने बाद में कहा कि खतरा टल गया। लाल सागर के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के पास जारी लड़ाई ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ा दी है। हूती ईरान के समर्थन से दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब की नाकेबंदी की कोशिश कर रहे हैं। नए हमले ऐसे समय हुए जब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार संयुक्त राष्ट्र में विश्व के नेताओं की वार्षिक बैठक को संबोधित करने की तैयारी कर रही थी। यमन में ईरान और सऊदी अरब के समर्थन से चल रहे संघर्ष ने चार साल की अपेक्षाकृत शांति के बाद देश को फिर गृहयुद्ध की ओर धकेल दिया है।

लड़ाई के कारण 1.25 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और मानवीय संकट बढ़ रहा है। सऊदी अरब ने सहयोगी देशों से सैन्य मदद मांगी है जबकि उसके प्रमुख सहयोगी अमेरिका ने हूतियों के संपर्क में होने और इस लड़ाई से दूर रहने के संकेत दिए हैं। हूतियों का कहना है कि उनका निशाना केवल सऊदी अरब है और लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों को अन्यथा कोई खतरा नहीं है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भारत के साथ संबंध बेहतरीन, राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच व्यावहारिक रुख अपना रहा नेपालः शिशिर खनाल

न्यूयॉर्क। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत के साथ नेपाल के संबंधों को 'बेहतरीन' करार दिया और कहा कि राजनीतिक मोर्चे पर 'उतार–चढ़ाव' आते रहते हैं लेकिन काठमांडू नयी दिल्ली के साथ संबंधों में 'व्यावहारिक' दृष्टिकोण अपना रहा है और चुनौतियों के बजाय अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। खनाल ने बृहस्पतिवार को 'एशिया सोसाइटी' में एक चर्चा के दौरान कहा, ''हमारे बीच कई उच्चस्तरीय यात्राएं हुई हैं और यहां न्यूयॉर्क में भी मेरी भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात हुई है।'' एशिया सोसाइटी के वैश्विक अध्यक्ष एवं सीईओ केविन रुड ने खनाल से सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार के बालेंद्र शाह सरकार के साथ संबंध कैसे हैं जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध 'बहुआयामी' हैं और काठमांडू के कुल व्यापार का लगभग दो–तिहाई व्यापार भारत के साथ होता है। उन्होंने कहा, ''दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध भी बेहद मजबूत हैं। राजनीतिक मोर्चे पर कभी–कभी उतार–चढ़ाव देखने को मिलता है लेकिन मेरा मानना है कि इस समय हमारे संबंध बेहरतीन हैं।'' जयशंकर ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन परिसर में खनाल के साथ वार्ता की। दोनों नेताओं ने इस साल जून में दिल्ली में हुई पिछली मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति पर चर्चा की, जिसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग भी शामिल था। जब खनाल से पूछा गया कि नेपाल नयी दिल्ली और बीजिंग के बीच भू–राजनीतिक संतुलन कैसे साध रहा है तो उन्होंने कहा कि अतीत में नेपाली राजनीति में मौजूद वैचारिक मतभेद पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में भूमिका निभाते थे। उन्होंने कहा, ''हमने इस बात पर विशेष ध्यान दिया है कि अपने संबंधों को अत्यधिक वैचारिक नजरिये से देखने के बजाय सहयोग के व्यावहारिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।'' उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सीमा जैसे विवादास्पद मुद्दे स्वाभाविक रूप से होते हैं लेकिन चुनौतियां कहां हैं, इस पर ध्यान देने के बजाय ''हमारा मौजूदा दृष्टिकोण यह देखना है कि अवसर कहां हैं। भारत के साथ भी हम इसी व्यावहारिक दृष्टिकोण को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऊर्जा व्यापार में वास्तव में सकारात्मक गति देखने को मिल रही है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। हम लगभग हर चीज आयात करते हैं।'' इससे पहले 'एशिया सोसाइटी' में अपने शुरुआती संबोधन में खनाल ने कहा कि भारत और चीन जैसे महाद्वीपीय दिग्गजों के बीच स्थित होने के कारण नेपाल स्वाभाविक रूप से छोटा दिखाई देता है। उन्होंने कहा, ''हमारे पड़ोसियों का आकार, भूगोल की वास्तविकता है, लेकिन इसे हमारी महत्वाकांक्षा की सीमा कभी नहीं बनना चाहिए।